PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 312 ● भिलाई, गुरुवार 25 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

ग्राउंड जीरो पर पहुंचे सीएम सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता में गोदाम ढहने से पांच मजदूरों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

कोलकाता के तारातला में आज बी/2 ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक प्राइवेट पार्टी का बन रहा गोदाम ढह गया। राज्य सरकार की तुरंत मदद के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी एसएमपी पोर्ट अथॉरिटी ने तुरंत बचाव कार्य और मलबा हटाने के लिए क्रेन को मौके पर भेजा। गैस कटर सेट और एसएमपी फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और बचाव कार्य जारी है। इस हादसे में 5 मजदूरों की मौत की खबर सामने आ रही हैं, जबकि 50 से अधिक मजदूर अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मलबे में कितने मजदूर दबे है इसकी सही जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। फिलहाल, बंगाल का मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे की जानकारी ले रहे हैं। कोलकाता के तारातला में बन रहे गोदाम शेड के गिरने की घटना पर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा, एनडीआरएफ, सेना, एसडीआरएफ , पुलिस और फायर डिपार्टमेंट सभी मिलकर यहां काम कर रहे हैं। 21 लोगों को बचाया गया है। तीन लोगों की मौत हो गई है। एसएसकेएम अस्पताल काम कर रहा है। करीब 12-18 लोग अंदर फंसे हुए हैं। वे भारतीय सेना के संपर्क में हैं। मलबे से घायलों को निकालकर तुरंत मेडिकल टीम के साथ एसएमपीए की एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। एस्टेट और पोर्ट सिक्योरिटी टीमें तुरंत घटनास्थल पर

पहुंचीं और स्थिति को नियंत्रण में किया। एसएमपी कोलकाता के सीपीआरओ संजय कुमार मुखर्जी ने बताया कि एसएमपीए के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और हालात पर नजर बनाए रखे हुए हैं। बचाव कार्य आगे बढ़ने पर और जानकारी दी जाएगी। पश्चिम बंगाल के सीपीआईएम नेता फैयाज अहमद खान भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि, बहुत से लोगों की जान गई है, और ये जानें इसलिए गईं क्योंकि कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि यहां के निवासियों ने पोर्ट ट्रस्ट से इन जगहों के बारे में कई बार शिकायत की थी। उन्होंने आगे बताया कि, उन्होंने कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से भी शिकायत की थी कि यहां गैर-कानूनी काम हो रहा है। लेकिन अगर अधिकारी सब कुछ नजरअंदाज करते हैं और इसे सिर्फ एक खेल समझते हैं, पैसे के लिए खेला जाने वाला खेल। तो इसका नतीजा यही होगा कि बेगुनाह लोग, मजदूर और गरीब लोग अपनी जान गंवाते रहेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तारातला क्षेत्र में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक गोदाम का निर्माण कार्य चल रहा था।

क्या घटिया निर्माण सामग्री और डिजाइन की खामी है हादसे की वजह

इस हादसे ने रियल एस्टेट और निर्माण प्रोजेक्ट्स में गुणवत्ता की भारी अनदेखी को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इलाके में लंबे समय से अवैध निर्माण चल रहा था, जबकि फायर विभाग के अधिकारी ने सीधे तौर पर घटिया सामग्री (सबस्टैंडर्ड मटेरियल) के इस्तेमाल की बात कही है। मौके पर मौजूद कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों और एक स्ट्रक्चरल इंजीनियर ने प्रथम दृष्टया डिजाइन और निर्माण में भारी खामी की आशंका जताई है। इंजीनियर के मुताबिक, लोहे के बीम इतने मजबूत नहीं थे कि वे ऊपर की कंक्रीट का भारी वजन झेल सकें, और ढलाई को सपोर्ट देने के लिए जरूरी 'ब्रेस' भी नहीं लगाए गए थे।

नीरव मोदी को लंदन हाई कोर्ट का झटका

नीरव को बैंक ऑफ इंडिया को चुकाने होंगे 100 करोड़

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को लंदन की एक अदालत ने बड़ा झटका दिया है। लंदन हाई कोर्ट ने एक मामले में बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नीरव मोदी को बैंक का 10.7 मिलियन डॉलर यानी करीब 100 करोड़ रुपए से अधिक का चुकाने के लिए जिम्मेदार बताया है। पहले से ही भारतीय एजेंसियों से भागते फिर रहे नीरव के लिए यह एक बड़ा धक्का है। मंगलवार को लंदन कमर्शियल कोर्ट के जज साइमन टिंकलर ने मामले पर अपना

फैसला सुनाते हुए कहा कि नीरव मोदी ने बैंक ऑफ इंडिया से लिए गए कर्ज की व्यक्तिगत गारंटी दी थी और अब वह इस कर्ज को चुकाने के लिए कानूनी रूप से जिम्मेदार है। जज साइमन टिंकलर ने कहा कि नीरव पर मुख्य रकम के तौर पर लगभग 4.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 38.9 करोड़ रुपए की देनदारी बनती है। इसके अलावा बैंक ऑफ इंडिया की ओर से तय नियमों के तहत ब्याज की रकम भी इसमें शामिल की जाएगी। जो कुल मिलाकर 10.7 मिलियन डॉलर यानी 100 करोड़ रुपए के आसपास बनती है। बता दें कि मामला 14 साल पुराना है। जब 2012 में नीरव मोदी की दुबई स्थित कंपनी फायरस्टार डायमंड एफ़ेक्ष को बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज दिया था। इस कर्ज के लिए भगोड़े नीरव मोदी ने 3 अगस्त 2013 को बैंक के साथ व्यक्तिगत गारंटी भी दी थी।

कॉकरोच जनता पार्टी ने डायपर दान अभियान शुरू किया

नईदिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के पेपर लीक के खिलाफ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन जंतर-मंतर पर जारी है। पार्टी ने मंगलवार को विरोध को धार देने के लिए डायपर दान अभियान शुरू किया है। उसने सभी समर्थकों से डायपर लेकर आने को कहा है, जिस पर इस्तीफे की मांग लिखकर शिक्षा मंत्री को भेजा जाएगा। इससे पहले पार्टी ने थाली और चम्मच लेकर आने को कहा था। पार्टी ने अभियान के तहत एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान डायपर पहने और मुंह में बच्चों का निप्पल लगाएं खड़े हैं। उनको एक बच्चे की तरह प्रदर्शित किया गया है।

डोभाल ने चीन को दिया कड़ा सन्देश

रिश्तों को बढ़ाना है तो कोर हितों का करो सम्मान-डोभाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत में आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने खास तौर पर हिस्सा लिया है। इस बैठक के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन के साथ बहुत ही गंभीर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि स्थिर और रचनात्मक द्विपक्षीय संबंध बहुत ज्यादा जरूरी हैं। इन अहम संबंधों से ही भारत और चीन के बीच आपसी समझ और एक-दूसरे पर भरोसा भविष्य में पूरी तरह से मजबूत होगा।

बैठक में डोभाल ने चीन को एक-दूसरे के मूल हितों और प्रमुख चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने को बहुत स्पष्ट रूप से कहा है। भारत का यह व्यापक दृष्टिकोण मुख्य रूप से पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक सम्मान पर पूरी तरह से आधारित है। यह अहम बयान ऐसे समय आया है जब भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की पूरी कोशिश हो रही है। दोनों देशों के बीच यह उच्चस्तरीय संवाद भविष्य में द्विपक्षीय शांति स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय जहाजों की स्थिति के बारे में भी बहुत ही जरूरी जानकारी साझा की है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भारी तनाव के बीच भारत ने साफ किया है कि होर्मुज से भारतीय जहाजों की आवाजाही लगातार जारी है। भारत सरकार व्यापारिक रास्तों को हर हाल में पूरी तरह सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश कर रही है।

अब मचेगी कल्पना से परे तबाही!

किम जोंग ने उतारा 5,000 टन का खूंखार विध्वंसक..

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया ने अपनी नौसैनिक शक्ति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करते हुए एक शक्तिशाली 5,000 टन क्षमता वाले नए विध्वंसक युद्धपोत को बेड़े में शामिल किया है। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने इस अवसर पर घोषणा की कि इस नए युद्धपोत के आने से नौसेना की लड़ाकू क्षमता अब 'कल्पना से परे' स्तर तक मजबूत हो जाएगी। राज्य मीडिया चष्टह्न के अनुसार, यह कदम उत्तर कोरिया की सैन्य रणनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। इस नए प्रकार के बहु-मिशन विध्वंसक युद्धपोत का नाम 'चोए ह्योन' रखा गया है। इसका

कमीशनिंग समारोह पश्चिमी बंदरगाह नामपो में आयोजित किया गया, जिसमें किम जोंग-उन खुद शामिल हुए। बता दें कि इस युद्धपोत का अनावरण पिछले साल अप्रैल में किया गया था और बेड़े में शामिल होने से पहले इसके कई सफल हथियार परीक्षण भी किए जा चुके हैं।

पुणे में लोहागढ़ किले से गिरकर युवक की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में लोहागढ़ किले से गिरकर जिस 26 वर्षीय केतन विशाल अग्रवाल की मौत हुई थी, उसकी जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि पहले घटना को आकस्मिक कारण माना जा रहा था, लेकिन अब प्रारंभिक जांच में संकेत मिल रहे हैं कि केतन की हत्या की गई है, जिसमें उसकी मंगेतर और उसका कथित प्रेमी शामिल है। पुलिस अब मंगेतर समेत 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने जा रही है। केतन परिवार के रियल एस्टेट बिजनेस में निदेशक थे। उनकी नवंबर 2026 में सिया गोयल से शादी होने वाली थी। उससे पहले केतन अपने दोस्तों के साथ मंगेतर सिया का जन्मदिन मनाने लोहागढ़ किले गए थे। यहां 19 जून को सुबह वे ट्रेकिंग करने निकले थे।

रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

जेब ढीली करने को हो जाइये तैयार, 25 प्रतिशत तक महंगा हो सकता है एयर फ्लाइट का टिकट

नई दिल्ली। हवाई सफर करने वाले लोगों को अब देश-विदेश में यात्रा करना महंगा हो सकता है। विश्व की प्रतिष्ठित कंसल्टिंग कंपनी मैकिन्से ने एक ताजा रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट्स टिकट के दामों में 25 फीसदी की बढ़ोत्तरी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्तमान में दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे संघर्ष और तेल रिफाइनरीज की कमी के कारण जेट ईंधन की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। इससे एयरलाइंस कंपनियों को संचालन खर्च लगातार बढ़ रहा है। इससे आने वाले समय में दुनियाभर में फ्लाइट के किराये में

बढ़ोतरी की संभावना है। मैकिन्से ने अपने रिपोर्ट में बताया कि गर्मी की छुट्टियों में घूमने का सीजन शुरू हो जाता है। ऐसे में सीजन शुरू होने से पहले ही जेट फ्यूल की मांग में बढ़ोत्तरी देखने को मिलने लगी है। वही, इसका स्टॉक लगातार कम होता जा रहा है।बता दें, एशिया के कुछ देश और खाड़ी देश मिलकर दुनिया का लगभग 40 फीसदी जेट ईंधन का निर्यात करते हैं, लेकिन इन देशों के संघर्ष में उलझने के कारण अब वहां की रिफाइनरीज से प्रोडक्शन में लगातार गिरावट आयी है। इससे वैश्विक बाजार में डिमांड-सप्लाई का संतुलन बिगड़ गया। जेट फ्यूल की आपूर्ति बाधित होने से इसकी डिमांड पूरी करने के लिए अभी पुराने स्टॉक का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे रणनीतिक भंडारण में भारी कमी आई है। इसको दोबारा से भरने में अभी काफी समय लगेगा। इसलिए आने वाले कई महीनों तक इसकी डिमांड हाई रहने वाली है। बता दें, किसी भी हवाई यात्रा में टिकट की कुल किराए का करीब 30 फीसदी हिस्सा जेट फ्यूल की लागत में चला जाता है। ऐसे में अगर फ्यूल में कमी या कीमत में बढ़ोत्तरी होती है।

अरुणाचल में भारी तबाही

लगातार भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ फ्लैश फ्लड में 3 लोग लापता

नई दिल्ली/ एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। कीई पन्योर जिले में बुधवार को आई फ्लैश फ्लड में कम से कम तीन लोग लापता हो गए, जबकि कई घरों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे कई इलाकों में यातायात बाधित हो गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर का असर पड़ोसी राज्य असम पर पड़ने की आशंका है। इसे देखते हुए असम सरकार ने धेमाजी, लखीमपुर, बिश्वनाथ और सोनितपुर समेत कई जिलों में हाई अलर्ट जारी कर संबंधित एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। ईटानगर के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, लगातार हो रही भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे यातायात प्रभावित हो गया और कई यात्री रास्ते में फंस गए।

अधिकारियों ने बताया कि कीई पन्योर जिले के याजाली सर्कल अंतर्गत पूसा स्थित एनईईपीसीओ परियोजना कॉलोनी के पास आई फ्लैश फ्लड में तीन लोग लापता हो गए। तेज बारिश के कारण एक रिटेनिंग वॉल भी ढह गई, जबकि बाढ़ का पानी याजाली क्षेत्र के कई निचले रिहायशी इलाकों में घुस गया। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त उपायुक्त, पुलिस उपाधीक्षक और सर्कल अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और नुकसान का आकलन करने के साथ राहत एवं बचाव कार्यों का समन्वय कर रहे हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को मौके पर तैनात कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवान भी राहत एवं बचाव अभियान में शामिल होने के लिए रवाना हो चुके हैं। सरकारी स्वामित्व वाली नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (एनईईपीसीओ) ने एहतियातन रांगनदी बांध से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। परियोजना में बिजली उत्पादन भी फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। पिछले कई दिनों से पहाड़ी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिससे विभिन्न जिलों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और मकानों व बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। आपदा प्रबंधन विभाग ने नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने तथा अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

अभिषेक को हाई कोर्ट से झटका!

विदेश यात्रा की अर्जी पर तुरंत सुनवाई से इंनकार..

नई दिल्ली। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी अब देश से बाहर नहीं जा पाएंगे। कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के विदेश यात्रा पर अर्जी को खारिज कर दिया है। कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर तेजी से सुनवाई की मांग वाली अर्जी खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मांगी थी।मंगलवार को अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में जस्टिस

सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज बेंच के सामने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मांगने वाली एक याचिका दायर की। विदेश यात्रा के लिए कोर्ट की से इजाजत मांगी थी। साथ ही मामले की तेजी से सुनवाई (फास्ट-ट्रैक हियरिंग) के लिए भी एक अर्जी दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

डैम में मिला लापता युवक-युवती का शव: एक ही बाइक से पहुंचे थे दोनों

भोपाल। राजधानी भोपाल के पिकनिक स्पॉट केरवा डैम में एक युवक और एक युवती के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों एक ही बाइक से डैम पर पहुंचे थे, जिसके बाद पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर हत्या, आत्महत्या और दुर्घटना समेत सभी संभावित एंगल से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को केरवा डैम के पानी में एक युवती का शव तैरता हुआ मिला था। इसके बाद जब पुलिस और गोताखोरों ने रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा, तो आज (मंगलवार) उसी डैम से लापता युवक का शव भी बरामद कर लिया गया। मृतकों की शिनाख्त कोमल पाठक और रंजीत नामदेव के रूप में हुई है। मृतका कोमल पाठक भोपाल के हमीदिया कॉलेज की छात्रा बताई जा रही है। मृतक युवक रंजीत नामदेव भोपाल के मालीखेड़ी इलाके का रहने वाला था।

एलएनसीटी ग्रुप के कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, जांच में जुटी एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रतिष्ठित शैक्षणिक समूह एलएनसीटी ग्रुप के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने एक बड़ी छापेमारी की है। ईडी की यह कार्रवाई ग्रुप में हुई लगभग 200 करोड़ रुपए की भारी वित्तीय हेराफेरी (पैसों के घोटाले) को लेकर की जा रही है। यह जांच भोपाल समेत देश भर में फैले इस ग्रुप के अन्य शैक्षणिक संस्थानों और ठिकानों पर एक साथ चल रही है। दरअसल, एलएनसीटी ग्रुप के प्रमोटर चौकसे परिवार पर पहले मध्य प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने धोखाधड़ी और वित्तीय गड़बड़ियों का मामला दर्ज किया था, जिसके बाद अब इस मामले की कमान ईडी ने संभाल ली है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस घोटाले का सीधा संबंध छात्रों की फीस और स्कॉलरशिप (छात्रवृत्ति) के पैसों से है। ईओडब्ल्यू की जांच के मुताबिक, इस ग्रुप ने विद्यार्थियों से वसूली गई बस फीस, हॉस्टल फीस और सरकार की तरफ से आने वाली स्कॉलरशिप की राशि में भारी हेराफेरी की।

बाढ़ से सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करे दुरुस्त : उइके

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बाढ़ आपदा प्रबंधन समिति की बैठक ली। उन्होंने वर्तमान बारिश के मौसम को देखते हुए अत्यधिक जल भराव वाले जगहों का चिन्हांकन कर बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही वनांचलों के गांवों में रहने वाले लोगों को बाढ़ से बचाने के अलावा मौसमी बीमारियों से भी बचाव के लिए जागरूक एवं आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर उइके ने जिले के जलप्रपातों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम तथा अत्यधिक जलभराव की स्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए किये जाने वाले उपायों पर विस्तृत चर्चा कर सभी व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश की भी रेडियम पट्टी युक्त सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। पर्यटन स्थलों में आवश्यक संख्या में सुरक्षा अधिकारी भी तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों से जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी लेकर ऐसे क्षेत्रों में जागरूकता के लिए सूचना बोर्ड लगाने तथा लोगों को बाढ़ के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिये। साथ ही एसडीएम को अपने-अपने अनुविभागों में भी बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने एवं कक्ष में नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर उन्हें क्रियाशील करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। अत्यधिक जल भराव एवं बाढ़ की सूचना फोन नम्बर 07706-241288 पर दें - जिले में बाढ़ आपदा नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कलेक्टर उइके ने बाढ़ आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में बाढ़ से निपटने सभी जरूरी तैयारियां पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पूर्व में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां जान-माल की सुरक्षा के लिए अभी से सभी तैयारियां दुरूस्त करने के निर्देश दिये। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी गांवों में शिविर एवं ठहरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिससे आपातकालीन स्थितियों में लोगों का बचाव किया जा सके। साथ ही सभी पंचायतों में आवश्यक मात्रा में खाद्यान्न भण्डारण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था एवं साफ पानी के लिए आवश्यतानुसार ब्लीचिंग पाउडर की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

एकलव्य विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भंवरपुर। शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों जयंती नेताम, डिगेश सिदार, लोकेश्वरी दीवान, दिनेश कुमार दीवान का चयन प्रतिष्ठित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय, अभिभावकों एवं पूरे ग्राम में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में चयनित छात्र छात्राओं को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने छात्र, छात्राओं की मेहनत, अनुशासन एवं लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए हर्ष व्यक्त किया है। प्रधान पाठक गिरधारी साहू ने कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की नियमित तैयारी के माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं शिक्षक वीरेंद्र कुमार कर ने कहा कि सत्र 2026-27 हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में विद्यालय के दो छात्रों में प्रियांश साहू ने पूरे 100 में 100 प्रतिशत महासमुंद जिले प्रथम स्थान तथा जयंती नेताम ने 99 प्रतिशत हासिल कर 12 वें स्थान प्राप्त किया जो प्राथमिक विद्यालय करनापाली के लिए ही नहीं पूरे जिले महासमुंद के लिए गर्व का विषय रहा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक, ग्रामवासी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे तथा चयनित छात्र छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में भी अधिक से अधिक विद्यार्थियों को नवोदय, एकलव्य एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने हेतु निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा महापौर रामू रोहरा ने दिखाई हरी झंडी

धमतरी। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से सोमवार को जिले में सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा के तहत जिले के चारों विकासखंडों से चयनित 12 प्रबुद्धजन, जिन्होंने संस्कृति और समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, गुजरात स्थित सोमनाथ धाम के दर्शन एवं सांस्कृतिक भ्रमण के लिए रवाना हुए। हरदिहा साहू परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महापौर रामू रोहरा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ाव को मजबूत करने का माध्यम बनती हैं तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं से परिचित कराती हैं। इस अवसर पर डीएमसी अनुराग त्रिवेदी, डुमन लाल ध्रुव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी. कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से संचालित एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करना है।

समग्र शिक्षा अंतर्गत सीडब्ल्यूएसएन के 9 दृष्टिबाधित छात्रों को मोबाइल एवं मोबाइल किट प्रदान किया गया

गरियाबंद। समग्र शिक्षा अंतर्गत जिले के विशेष जरूरतमंद बच्चे (सीडब्ल्यूएसएन) 9 दृष्टिबाधित छात्रों को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल एवं मोबाइल किट वितरित किए गए। कलेक्टर बीएस उइके ने विद्यार्थियों को मोबाइल एवं मोबाइल किट प्रदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर उइके ने विद्यार्थियों को मोबाइल के माध्यम से अध्ययन करने, डिजिटल शैक्षणिक सामग्री का उपयोग करने तथा तकनीक का लाभ उठाकर अपने शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक शिक्षा को सरल बना रही है तथा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सहायक माध्यम होगी। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि मोबाइल एवं मोबाइल किट के माध्यम से छात्र ऑडियो पुस्तकें, डिजिटल अध्ययन सामग्री तथा विभिन्न ऑनलाइन शैक्षणिक संसाधनों का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इससे दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, जिला मिशन समन्वयक शिवेश शुक्ला, एपीसी योगेश पटेल समस्त बीआरपी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मोबाइल एवं मोबाइल किट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इसके प्रभावी उपयोग तथा दृष्टिबाधित-अनुकूल सुविधाओं की जानकारी देने हेतु विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

जिले के सभी ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची पर चर्चा आज

गरियाबंद। प्रदेश के साथ-साथ गरियाबंद जिले में भी 24 जून 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम सभा में विशेष रूप से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची का अवलोकन एवं वाचन किया जाएगा। शासन की मार्गदर्शिका एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी तथा ग्रामीणों से प्राप्त दावे-आपत्तियों को नियमानुसार प्राप्त कर उनके निराकरण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद स्थायी प्रतीक्षा सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड करने की कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही पूर्व बैठक के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्यों की प्रगति तथा अन्य विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा होगी। ग्राम सभाओं में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) के संबंध में भी ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी। विभाग ने सभी ग्राम पंचायतों से अपील की है कि ग्राम सभा में अधिक से अधिक ग्रामीणों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

कोटा में छात्रों के बीच पहुंचकर राहुल गांधी ने फिर साबित किया कि वे ही देश के युवाओं की असली आवाज हैं : राजा देवांगन

धमतरी। कांग्रेस पार्टी पेपर लीक के खिलाफ और युवाओं को न्याय दिलाने तक सड़क से लेकर संसद तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस नेताओं ने प्रेस को सम्बोधित करते हुए नीट परीक्षा में हुए बड़े पैमाने पर पेपर लीक और भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान के कोटा में देश के कोने.कोने से आए पीड़ित कोचिंग छात्रों से मुलाकात करने और उनकी समस्याओं को सीधे सुनने के लिए देश के लोकप्रिय नेता राहुल गांधी के इस संवेदनशील कदम की प्रशंसा की है। जिला प्रभारी महामंत्री अरविन्द दोषी ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा राहुल गांधी देश के एकमात्र ऐसे नेता हैं जो सत्ता की राजनीति से ऊपर उठकर युवाओं, छात्रों और आम जनता के दर्द को सच में महसूस करते हैं। कोटा में जिस आत्मीयता के साथ उन्होंने रोते और परेशान छात्रों को गले लगाया, उनका हौसला बढ़ाया और उनकी पीड़ा को सुना, उसने यह साबित कर दिया कि वे ही देश के करोड़ों युवाओं के सच्चे मार्गदर्शक और रक्षक हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा सत्य और न्याय का मार्ग चुना है। जब भी देश के युवाओं के भविष्य पर संकट आता है, वे पूरी मजबूती के साथ उनके हक के लिए फ्रंटफुट पर आकर लड़ते हैं। देश का युवा आज राहुल गांधी में अपना सुरक्षित भविष्य देख रहा है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा जैसी बड़ी और संवेदनशील परीक्षा में धांधली और पेपर लीक होना बेहद शर्मनाक है।

दिन.रात एक कर डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों की मेहनत को चंद भ्रष्टाचारियों ने कौड़ियों के भाव बेच दिया।

भू.जल संकट से निपटने एनआईटी रायपुर करेगा हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे

धमतरी। जिले में भू.जल स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर संचालित मोर गाँव मोर पानी अभियान को और अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के विकासखंड धमतरी एवं कुरूद को भू.जल दोहन की स्थिति के आधार पर क्रमशः क्रिटिकल एवं सेमी.क्रिटिकल श्रेणी में चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं भू.जल पुनर्भरण के स्थायी समाधान विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी, रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तावित किया गया है। इस अध्ययन के तहत एनआईटी रायपुर की विशेषज्ञ टीम चयनित ग्रामों में उपलब्ध भू.जल की स्थिति, जल स्रोतों की क्षमता, जल स्तर में हो रहे बदलाव तथा वर्षा जल के संरक्षण की संभावनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करेगी। अध्ययन में यह भी आकलन किया जाएगा कि किस गांव में कितना भू.जल उपलब्ध है, जल संरक्षण की वर्तमान स्थिति क्या है तथा किन उपायों से भू.जल स्तर को बेहतर बनाया जा सकता है। हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे एवं स्पॉट स्टडी के आधार पर जल संरक्षण एवं भू.जल पुनर्भरण के लिए सबसे उपयुक्त संरचनाओं की पहचान की जाएगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा द्वारा राज्य स्तर पर प्रेषित प्रस्ताव में अनुरोध किया गया है कि एनआईटी रायपुर के विशेषज्ञ चयनित ग्रामों एवं स्थलों का स्पॉट स्टडी तथा हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे कर भू.जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपयुक्त संरचनाओं की पहचान करें। साथ ही उनके तकनीकी डिजाइन, संभावित प्रभाव, जल पुनर्भरण क्षमता तथा क्रियान्वयन की कार्ययोजना संबंधी विस्तृत तकनीकी प्रतिवेदन तैयार किया जाए। इस संबंध में एनआईटी रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ विकास कुमार विद्यार्थी ने अपने पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि प्रभावी अनुशंसाओं एवं दीर्घकालिक परिणामों के लिए व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक होगा। उन्होंने अध्ययन कार्य हेतु प्रस्तावित ग्रामों एवं स्थलों की संख्या तथा उनका विवरण उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि संस्थान द्वारा विस्तृत कार्ययोजना, तकनीकी प्रस्ताव तथा आवश्यक वित्तीय प्रावधान का आकलन तैयार किया जा सकेगा।

राज्य मनरेगा आयुक्त कार्यालय द्वारा भी जिला प्रशासन से धमतरी एवं कुरूद विकासखंड के उन ग्रामों एवं स्थलों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है, जहां अध्ययन कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। जानकारी प्राप्त होने के उपरांत एनआईटी रायपुर द्वारा अध्ययन की रूपरेखा, समय.सीमा, तकनीकी आवश्यकताओं एवं व्यय संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर मनरेगा तथा अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के अंतर्गत जल संरक्षण एवं भू.जल पुनर्भरण संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जहां प्रतिवर्ष जल संकट या भू.जल की कमी की स्थिति बनी रहती है। वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप जल संरचनाओं का निर्माण एवं सुधार कर दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मोर गाँव मोर पानी अभियान का उद्देश्य वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण, भू.जल पुनर्भरण तथा जल स्रोतों के दीर्घकालिक प्रबंधन को बढ़ावा देना है। वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर तैयार होने वाली कार्ययोजना से जल संरक्षण संरचनाओं की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। इससे भू.जल स्तर में सुधार, सिंचाई एवं पेयजल उपलब्धता में वृद्धि तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

कलेक्टर के सूझबूझ से प्रदर्शनकारी संतुष्ट होकर लौटे वापस

धमतरी। जल, जंगल, जमीन संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को सैकड़ों की संख्या में आदिवासियों ने अपनी मूलभूत समस्याओं को कलेक्टोरेट का घेराव किया। इनका कहना था कि हम हमेशा अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते आ रहे हैं। लेकिन हमारी मांगों को शासन, प्रशासन नजरअंदाज करते आ रहा है। अब पानी सर से ऊंचा हो चुका है। हमारे क्षेत्र का विकास हम चाहते हैं, इसीलिये हम इतनी बड़ी तादात में यहां आकर कलेक्टर से मिलकर अपनी मांगों को रखना चाहते हैं। उनकी इच्छानुरूप जिले के संवेदनशील कलेक्टर अबिनाश मिश्रा अपने चेंबर से निकलकर पैदल प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे और उनकी पूरी बात गंभीरता से सुनने के बाद उन्होंने कहा कि वहां पर टाईगर रिजर्व एरिया है, तो हम लोगों ने ये किया था कि कौन सा रोड सबसे ज्यादा प्रमुख है, कौन सा रोड लिया जाये। सड़क निर्माण जो गाड़ाडीह 25 किमी का प्रस्ताव पहले से भेजा जा चुका है और इस गांव को जोड़ने वाला सड़क भी उसमें शामिल है। मुख्यतः आपके क्षेत्र में बहुत समय से सड़क निर्माण नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि मैं पहला या दूसरा कलेक्टर हूं, मुझसे पहले भी कई कलेक्टर रहे हैं क्योंकि हमारे हाथ बंधे होते हैं। कई चीजें हमारे हाथ में भी नहीं होती। शासन स्तर से भी नहीं हो पाती कुछ चीजें परंतु हम लोग आपकी मांगों को लेकर पूरा प्रयास करेंगे। कलेक्टर की इस बात पर प्रदर्शनकारियों ने ताली बजाकर उनकी बातों का स्वागत किया। संवेदनशील कलेक्टर मिश्रा के सूझबूझ से आंदोलनकारी संतुष्ट हो गये और उन्होंने अपना आंदोलन समाप्त कर अपने अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गये। तत्पश्चात कलेक्टर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों की जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जायेगा। धमतरी जिलांतर्गत आने वाले अनेकों गांवों के साथ साथ उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व एरिया के लोग भी इस आंदोलन में शामिल हुए थे। इस पर कलेक्टर का कहना था कि वह क्षेत्र धमतरी जिला के अंतर्गत नहीं आता। फिर भी मैं उच्चाधिकारियों को इस बात से अवगत कराते हुए उनकी भी समस्याओं का निदान कराने की पूरी कोशिश करूंगा। सड़क, शिक्षा, पानी, बिजली जैसे मांगों को लेकर इनका यह धरना प्रदर्शन प्रारंभ हुआ था। जल, जंगल, जमीन संघर्ष समिति के बैनर तले नगरी, सिहावा क्षेत्र के लगभग 60 गांवों के लोग इस आंदोलन में शामिल थे जो विभिन्न वाहनों से होकर धमतरी पहुंचे और डॉ शोभाराम देवांगन हाईस्कूल के समीप अपना पड़ाव डाला और यहां से पैदल मार्च करते हुए कलेक्टोरेट पहुंचे। इस अवधि में अनेकों स्थान पर उन्हें समझाने का प्रयास किया गया परंतु वे अपनी जिद पर अड़े रहे। अंततः वे कलेक्टर के आश्वासन पर शांत हुए। यह आंदोलन निःसंदेह आदिवासियों की बहुप्रतीक्षित मांगों के पूर्ण न होने पर किया गया और यह भी सर्वविदित है कि उस क्षेत्र में शासन, प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा उनकी मूलभूत सुविधाओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। लेकिन जिले के वर्तमान संवेदनशील कलेक्टर मिश्रा वनांचल क्षेत्र के गांवों के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ क्षेत्र के विकास के लिये भी सतत प्रयास कर रहे हैं। ऐसी समस्याओं का निदान होना आवश्यक है।

इस आंदोलन के पीछे क्षेत्र से जो खबर छनकर आ रही है, उसमें उक्त आंदोलन के पीछे सत्तापक्ष से जुड़े एक अफीमची नेता की महत्वपूर्ण भूमिका निकलकर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों को इन्होंने यह भी समझाया था कि जाकर उग्र आंदोलन करना। लेकिन आंदोलनकारियों ने इनकी बातों में न आकर बहुत ही शांतिपूर्ण ढंग से जिला प्रशासन के सामने अपनी विभिन्न मांगों के संबंध में जिलाधीश से चर्चा की। जिले के कलेक्टर ने भी बहुत ही सूझबूझ से उनकी सभी बातों को सुना और प्राथमिकता के आधार पर मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया जिसके बाद इतना बड़ा आंदोलन बड़े ही शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया जिससे उक्त अफीमची नेता के मंसूबों पर पानी फिर गया, जिसकी क्षेत्र में सर्वत्र चर्चा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा पूरे प्रदेश का भ्रमण कर जनता से सीधे संवाद करने के उद्देश्य से वर्ष 2025 की तरह इस वर्ष भी सुशासन तिहार 2026 का आयोजन किया गया जिसमें नागरिकों की अनेक समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया। इसी कड़ी में नगरी, सांकरा क्षेत्र में आयोजित शिविर में एक व्यक्ति जिसका उस क्षेत्र में कोई वजूद नहीं था, उसे भाजपा के द्वारा अचानक इतनी ऊंचाईयां प्रदान कर दी गई कि वह अब शासन और प्रशासन के खिलाफ भी भरे मंच से यह कहकर कि शासन और प्रशासन की कोई योजना इस क्षेत्र में लागू ही नहीं हुई है, कहकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। इसके इस बयान से भाजपा के लोगों में भी खासी नाराजगी देखी गई जिन्होंने इस पर अपनी कड़ी आलोचना भी की थी। खबर के मुताबिक उक्त अफीमची नेता जिनके गुर्गों द्वारा रेत, मुरूम चोरी के साथ साथ हरे-भरे वृक्षों को कटवाने का आरोप भी लग चुका है। यही नहीं उनके खेत में अफीम की खेती होने का भी समाचार मीडिया की सुर्खियां बना था, तबसे उक्त नेता की पहचान जिले सहित प्रदेश में अफीमची नेता के रूप में बन गई है। यही व्यक्ति के द्वारा शासन की योजनाओं में लगने वाले पैसे को अपना पैसा लगाने की बात कहकर दिग्भ्रमित किये जाने का प्रयास किया गया।

इनके कारनामों को लेकर पार्टी हाईकमान भी पशोपेश में है। इनकी शिकायत भी की जा चुकी है, शिकायत पश्चात इन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा हिदायत दी गई, बावजूद इसके ये अपने कार्यों से पार्टी सहित शासन की छवि खराब करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में फंसी सरगुजा की तीन युवतियां, घर वापसी के लिए विधायक से लगाई मदद की गुहार

रायपुर। जिले के सीतापुर क्षेत्र की तीन युवतियों के चेन्नई में फंसने का मामला सामने आया है। युवतियों ने सुरक्षित घर वापसी के लिए सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो से मदद की गुहार लगाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद विधायक ने पुलिस प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर, बेलजोरा और बिनई की रहने वाली तीन युवतियों को करीब तीन महीने तक जशपुर में सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें बेहतर रोजगार और प्लेसमेंट का भरोसा देकर कांचीपुरम ले जाया गया। युवतियों का आरोप है कि प्लेसमेंट के नाम पर उन्हें चेन्नई पहुंचाने वाले दो युवतियों और एक युवक ने अब घर लौटने के लिए उनसे 10-10 हजार रुपये की मांग की है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना मुश्किल हो रहा है, जिसके कारण युवतियां वहां फंसी हुई हैं। मामले की सूचना मिलने पर विधायक रामकुमार टोप्पो ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर युवतियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सीतापुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को किस संस्था, एजेंसी या व्यक्ति के माध्यम से चेन्नई भेजा गया था।

दंतेवाड़ा पहुंचा मानसून, मौसम विभाग ने की पुष्टि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बहुप्रतीक्षित मानसून का प्रवेश हो गया है। इस तरह से करीब 10 दिनों की देरी से प्रवेश हुआ है। मानसून इस समय सुकमा बीजापुर के बाद दंतेवाड़ा में भी सक्रिय हो गया है। संकेत है कि यह कल बस्तर जिले को छू सकता है। इधर रायपुर में बदलते मौसम को देखते हुए मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आज और कल अच्छी बारिश होती है तो परसों घोषणा हो सकती है?। सोमवार दोपहर को मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि कल यानी 23 जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के राज्य के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। वहीं मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। इसके चलते कुछ इलाकों में हीट वेव जैसी स्थिति बनने की भी आशंका जताई गई है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.8एष्ट बिलासपुर में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.9एष्ट अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

मोतीबाग चौक में 1.5 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार, हिस्ट्रीशीट खोलने की तैयारी

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गोलबाजार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को 1 किलो 500 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 22 जून की शाम थाना गोलबाजार की टीम क्षेत्र में पेट्रोलिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मोतीबाग चौक स्थित यूनियन क्लब के सामने एक महिला की गतिविधियां संदिग्ध नजर आने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद सफेद रंग के थैले से 1 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में महिला की पहचान अफसाना बी उर्फ गुड़िया (38 वर्ष) निवासी मोतीबाग चौक, रायपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिला पहले भी आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपी रह चुकी है। उसकी आपराधिक गतिविधियों और बार-बार अपराध में संलिप्तता को देखते हुए पुलिस उसकी हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन तक गरज-चमक और बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने मानसून की दस्तक के संकेत दिए हैं, जिससे प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदल सकता है। भीषण गर्मी के बीच रविवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश ने राहत दी है। हालांकि राजधानी, बिलासपुर और दुर्ग में भीषण गर्मी रही। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर शुरू हो गया है और अगले पांच दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। साथ ही 23 जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। रविवार को प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में बारिश और गरज-चमक दर्ज किया गया। अनुमान है कि 23 जून के आसपास मानसून छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

2036 पौधों के रोपण से ओलंपिक मेजबानी के संकल्प को दी नई ऊर्जा

- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया रुद्राक्ष का पौधारोपण
- छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए बेहतर वातावरण और आधुनिक अधोसंरचना का हो रहा विकास - मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर नवा रायपुर के ग्राम पलोद में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित वृक्षारोपण एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह में शामिल होकर रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए खेल और पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्र निर्माण के दो महत्वपूर्ण आधार बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत ने वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का दावा प्रस्तुत किया है। इसी राष्ट्रीय संकल्प और आकांक्षा को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त करने के लिए कार्यक्रम में 2036 पौधों का रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल वृक्षारोपण अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, हरित और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में खेलों के लिए बेहतर वातावरण और आधुनिक अधोसंरचना विकसित की जा रही है ताकि युवा अपनी प्रतिभा का पूरा प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की सफल मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ है। वहीं बस्तर ओलंपिक जैसे अभिनव आयोजन ने दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दी है। इस वर्ष बस्तर ओलंपिक में लाखों युवाओं ने भाग लेकर

अपनी क्षमता का परिचय दिया है, जो प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल क्षेत्र में विशेष बजट प्रावधान कर रही है। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानजनक प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की व्यवस्था की गई है, ताकि वे अधिक आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा वन विभाग के खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए नई पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान दी है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अपार प्रतिभा है और सरकार उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हर संभव अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा ओलंपिक का आयोजन भी युवाओं को नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अरुण कुमार पाण्डेय, बीएसएफ के आईजी श्री संजय पंत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नकली शराब गिरोह के फरार आरोपी पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित

रायपुर। संवाददाता

पुलिस ने नकली शराब के संगठित नेटवर्क से जुड़े फरार आरोपी विनय सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा है कि आरोपी की गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले या उसकी सटीक सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस के अनुसार, थाना कोतरारोड़ में दर्ज नकली शराब प्रकरण में आरोपी विनय सिंह ठाकुर घटना के बाद से लगातार फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार दबिश, तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के माध्यम से तलाश की जा रही है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।गौरतलब है कि 8 जून 2026 को रायगढ़ पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम धनागर में संचालित नकली शराब के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया था। कार्रवाई के दौरान लगभग 240 लीटर नकली शराब, स्प्रिट से भरे ड्रम, फर्जी लेबल, नकली होलोग्राम, ढक्कन और शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री जब्त की गई थी।मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी दुष्यंत उर्फ पप्पू पटेल ने पूछताछ में खुलासा किया था कि वह अपने भाई सुभाष पटेल और विनय सिंह ठाकुर के साथ मिलकर लंबे समय से यह अवैध कारोबार चला रहा था।जांच के दौरान पुलिस ने सुभाष पटेल को भी गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह फर्म हाउस में बड़ी मात्रा में शराब का भंडारण करता था और उसमें स्प्रिट मिलाकर उसकी मात्रा बढ़ाई जाती थी। शराब का रंग फीका पड़ने पर उसमें चायपत्ती का रंग मिलाकर उसे असली शराब जैसा स्वरूप दिया जाता था। इसके बाद फर्जी होलोग्राम और नकली लेबल लगाकर विभिन्न क्षेत्रों में बिक्री कराई जाती थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, एल्यूमिनियम डेगची और बड़ी संख्या में खाली बोतलें भी बरामद की थीं। पुलिस टीम 17 जून को आरोपी विनय सिंह ठाकुर के विकास नगर स्थित निवास पर पहुंची थी, लेकिन मकान बंद मिला।

होटल दक्षिण सूत्र पर कचरा फैलाने के आरोप में 2500 का ई-चालान

रायपुर। स्वच्छता संबंधी जनशिकायत को गंभीरता से लेते हुए रायपुर नगर निगम के जोन-3 स्वास्थ्य विभाग ने होटल दक्षिण सूत्र के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए 2,500 रुपये का ई-जुर्माना लगाया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार, जोन-3 क्षेत्र में स्थित होटल दक्षिण सूत्र द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंके जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-3 की जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने होटल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई। होटल परिसर के बाहर कचरा डाले जाने की पुष्टि होने पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन कुमार ताण्डी ने संबंधित संचालक के खिलाफ तत्काल 2,500 रुपये का ई-चालान जारी किया।

राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा केवल राजनीतिक नौटंकी

मैगी राजनीति' से नहीं छिपेगी कांग्रेस की गुटबाजी - केदार

- प्रशिक्षण शिविर के नाम पर कांग्रेस का पाखंड उजागर, जनता के मुद्दों से दूर रहा पूरा कार्यक्रम

रायपुर। संवाददाता

मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह यात्रा राजनीतिक नौटंकी, दिखावे और कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी पर पर्दा डालने का एक असफल प्रयास मात्र थी। प्रशिक्षण शिविर के नाम पर आयोजित कार्यक्रम में न तो प्रदेश की जनता की समस्याओं पर कोई गंभीर चर्चा हुई और न ही कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर कोई ठोस दृष्टि प्रस्तुत की। केदार कश्यप ने कहा कि राहुल गांधी कुछ घंटों के लिए छत्तीसगढ़ आए, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने का दावा किया और फिर कैमरों के सामने आयोजित प्रतीकात्मक गतिविधियों में व्यस्त रहे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के पास न कोई नीति बची है और न ही जनता के बीच जाने का कोई वास्तविक एजेंडा। पार्टी आज केवल आयोजन और प्रचार तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने तथा मिलकर काम करने की नसीहत देना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और नेतृत्व संकट चरम पर पहुंच चुका है। यदि किसी दल को अपने ही कार्यकर्ताओं को एकता का पाठ पढ़ाना पड़े, तो यह उसकी संगठनात्मक कमजोरी का सबसे बड़ा प्रमाण है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि खेती किसानी के लिए महत्वपूर्ण सहारा.....

- कैलाश को खाद, उर्वरक आदि कृषि कार्यों में मिल रही मदद

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की आर्थिक मजबूती और कृषि लागत में सहयोग के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 20 जून को पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी किया गया, इससे जिले के 85 हजार 324 किसानों के बैंक खातों में सीधे 17 करोड़ 06 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए। मुंगेली विकासखंड के ग्राम हथनीकला निवासी कैलाश सिंह ठाकुर भी इस योजना से लाभान्वित होकर अपनी खेती को और अधिक सुदृढ़ बना रहे हैं। कैलाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग वे खेती-किसानी के विभिन्न कार्यों में करते हैं। विशेष रूप से खाद, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था करने में यह राशि उनके लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। इससे खेती की लागत का कुछ हिस्सा आसानी से पूरा हो जाता है और समय पर कृषि कार्य संपादित करने में मदद मिलती है। कैलाश सिंह ठाकुर ने कहा कि पहले खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने में कई बार आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सहायता राशि कृषि कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग कर रही है। इससे खेती के प्रति उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को सीधे आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समय पर मिलने वाली राशि से किसान अपनी कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति कर बेहतर उत्पादन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह योजना खेती को मजबूत बनाने के साथ-साथ किसानों के जीवन में आर्थिक स्थिरता और भरोसा भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवैध रेत खनन और भंडारण के विरुद्ध लगातार हो रही सख्त कार्रवाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर अवैध रेत खनन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रदेश भर में लगातार अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की जा रही है। जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ खनिज विभाग का मैदानी अमला अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए कड़ी निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय खनि उड़नदस्ता की संयुक्त टीम द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर 21 जून 2026 को रात्रिकालीन खनन क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला एम.सी.बी. की तहसील केल्हारी अंतर्गत दंडाहस्वाही स्थित केवाई नदी, पसौरी, कुटरा तथा हसदेव नदी क्षेत्रों के सघन निरीक्षण में स्वीकृत दो अस्थायी रेत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों का विस्तृत परीक्षण किया गया। मौके पर उपलब्ध रेत की मात्रा का आकलन हाईटेक ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से किया गया। निरीक्षण में भंडारण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित रेत भंडारणकर्ताओं को कारण बताओ सूचना जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ खनिज संपदा का नियमानुसार दोहन सुनिश्चित किया जाए।

बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए गांव-गांव पहुंच रही बाल चौपाल

- सपेरा बस्ती में आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों को किया जागरूक, गुड टच-बैड टच की दी जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके समग्र विकास और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भीखमपुरा स्थित सपेरा बस्ती में बाल चौपाल का आयोजन कर बच्चों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण एवं वंचित समुदायों तक बाल संरक्षण और जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के प्रवास के दौरान आयोजित इस बाल चौपाल में डॉ. शर्मा ने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, मानसिक एवं सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक वातावरण प्राप्त होना उसका मौलिक अधिकार है तथा समाज के सभी वर्गों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के हितों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शर्मा ने विशेष रूप से बालिकाओं और बच्चों को गुड टच एवं बैड टच के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने, किसी भी अनुचित व्यवहार या गतिविधि की जानकारी तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही बच्चों को शोषण और उत्पीड़न से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। बाल चौपाल में बच्चों की प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहित किया गया। संस्कृति, लोककला और पारंपरिक कलाओं में रुचि रखने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोग अध्यक्ष ने बच्चों और उनके अभिभावकों से चर्चा कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की जानकारी ली तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने बाल विवाह, बाल श्रम और नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृत्ति को बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इन सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए शासन, प्रशासन, समाज और परिवारों को मिलकर कार्य करना होगा।

प्रदेश में हीरा उद्योग, निवेश और रोजगार की संभावनाएं हुई मजबूत

महासमुंद के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में हीरों की प्राप्ति से छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगा नया आयाम...

- वैज्ञानिक अन्वेषण की सफलता से खनिज क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर, राज्य को मिलेगा राजस्व एवं आर्थिक विकास का नया स्रोत
- खनिज संपदा की नई उपलब्धि से छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगा नया आयाम : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान हीरों की

प्राप्ति ने प्रदेश को खनिज संपदा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण एवं प्रसंस्करण के बाद कुल 5 हीरे प्राप्त हुए हैं, जिनका कुल वजन 1.22 कैरेट है। यह उपलब्धि क्षेत्र में हीरा खनिजीकरण की संभावनाओं की पुष्टि करती है तथा भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश, राजस्व सृजन और रोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा राज्य शासन को उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय अध्ययन तथा अन्वेषण ड्रिलिंग के आधार पर चिन्हित क्षेत्र से लगभग 200 टन खनिज सामग्री का बल्क सैंपल एकत्रित कर परीक्षण किया गया। प्रसंस्करण के पश्चात प्राप्त पांच हीरों में दो जेम क्वालिटी तथा तीन अन्य श्रेणी के हीरे शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, पारदर्शी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहले से ही देश के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल है और लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

संपादकीय

सरकार आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन कायम करने वाले कदम उठाए

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण की तुलना में आर्थिक वृद्धि के प्रयासों पर ज्यादा जोर दे रही है। इससे भले ही अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में सुधार नजर आ सकता है, लेकिन महंगाई के बढ़ते बोझ से आम लोगों के लिए जीवन-यापन करना कठिन हो जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए संकट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे इनकी कीमतों में इजाफा होना स्वाभाविक है।महंगाई अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और निश्चित तौर पर इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसद से बढ़ाकर 5.1 फीसद कर दिया है।ह्यलांकि, सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को चार फीसद के दायरे में सीमित रखने का है, लेकिन सवाल है कि वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी हैं, उस लिहाज से क्या इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा, या फिर यह आंकड़ा महज सरकारी कागजों में दिखाने के लिए ही रह जाएगा। यह आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है, क्योंकि सरकार की ओर से मौजूदा संकट से निपटने के लिए कोई ठोस एवं विस्तृत रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है।आरबीआइ ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसद पर बरकरार रखा है और इसे आम लोगों के लिए राहत के रूप में पेश किया जा रहा है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि पहले से ही महंगाई से जूझ रहे समाज के एक वर्ग को उम्मीद थी कि रेपो दर में कुछ कमी की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से कर्ज लेने और मासिक किस्त चुकता करने में आसानी होगी।गौरतलब है कि रेपो दर में कमी और वृद्धि से ब्याज दरें भी घटती एवं बढ़ती हैं, जिसका सीधा असर बैंकों से कर्ज लेने वालों की मासिक भुगतान किस्त पर पड़ता है। यह बात स्पष्ट है कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतें और आपूर्ति में समस्या देश के आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।कच्चे तेल के दामों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की रिकार्ड पूंजी निकासी के कारण रुपया इस वर्ष डालर के मुकाबले छह फीसद से अधिक टूटा है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अगर समग्र रूप से कारगर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता।देश की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम सिर्फ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से ही नहीं है, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कई तरह की चुनौतियां स्थिति को जटिल बना रही हैं।

देश का किसान अब केवल गेहूं, धान, कपास और गन्ने की फसल तक सीमित नहीं रहना चाहता। बदलती जलवायु, खेती की बढ़ती लागत, घटता लाभ और बाजार की अनिश्चितता ने किसानों को नए विकल्पों की तलाश के लिए प्रेरित किया है। भारत की धरती सदियों से ऐसी जड़ी-बूटियों की जननी रही है, जिन्होंने केवल रोगों का उपचार ही नहीं किया, बल्कि जीवन जीने की भारतीय दृष्टि को भी आकार दिया। कभी गांवों के आंगन में तुलसी का चौरा, खेतों की मेड़ों पर नीम, जंगलों में गिलोय और घरों की रसोई में हल्दी केवल परंपरा नहीं थे।

खेतों से दवा तक- औषधीय खेती किसानों के लिए खोल रही है कमाई की नई राह

(बलवंत राज मेहता)

लोक-स्वास्थ्य की मजबूत व्यवस्था थे। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों से परेशान होकर फिर प्रकृति की ओर लौट रही है, तब भारत की औषधीय खेती एक नए युग की दस्तक बनकर सामने खड़ी है।

देश का किसान अब केवल गेहूं, धान, कपास और गन्ने की फसल तक सीमित नहीं रहना चाहता। बदलती जलवायु, खेती की बढ़ती लागत, घटता लाभ और बाजार की अनिश्चितता ने किसानों को नए विकल्पों की तलाश के लिए प्रेरित किया है। इसी दौर में औषधीय पौधों की खेती आशा की नई किरण बनकर उभरी है।

अश्वगंधा, एलोवेरा, तुलसी, सर्पगंधा, आंवला, गिलोय, गुग्गल और शतावरी जैसी फसलें किसानों के लिए आय का नया आधार बन रही हैं। केंद्र सरकार भी इस संभावना को समझ रही है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के माध्यम से किसानों को औषधीय पौधों की खेती पर 30 से 75 फीसद तक अनुदान दिया जा रहा है। उद्देश्य केवल खेती बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक हर्बल बाजार में मजबूत पहचान दिलाना है।

सरकार नर्सरी विकास, प्रशिक्षण, प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन जैसी व्यवस्थाओं को भी मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। दरअसल, यह समय केवल खेती बदलने का नहीं, बल्कि खेती की सोच बदलने का है। आज दुनिया स्वास्थ्य को केवल अस्पताल और दवाओं से नहीं जोड़ रही, बल्कि जीवनशैली, भोजन और प्राकृतिक उपचार से भी जोड़कर देख रही है।

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को यह एहसास कराया कि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्त्वपूर्ण है। इसी दौरान भारतीय काढ़ा, हल्दी वाला दूध, गिलोय, तुलसी और अश्वगंधा जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों की मांग अचानक बढ़ गई। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के प्रति विश्वास बढ़ा है। भारतीय आयुष उद्योग का विस्तार अब लाखों करोड़ रुपए के बाजार की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

इस बदलती वैश्विक सोच का सबसे बड़ा लाभ भारत के किसानों को मिल सकता है। विशेष रूप से राजस्थान जैसे राज्यों में, जहां पानी की कमी और सूखा हमेशा चुनौती रहे हैं, वहां औषधीय खेती वरदान साबित हो सकती है। गुग्गल, अश्वगंधा और एलोवेरा जैसी फसलें कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती हैं। कई औषधीय पौधे ऐसी भूमि में भी उगाए जा सकते हैं, जहां पारंपरिक खेती लाभकारी नहीं रह जाती। यही कारण है कि अब युवा किसान और शिक्षित ग्रामीण भी इस क्षेत्र में रुचि लेने लगे हैं।

औषधीय खेती का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें मूल्य संवर्धन की अपार संभावनाएं हैं। यदि गांव स्तर पर ही सुखाने, छंटाई करने, तेल निकालने, पाउडर बनाने और पैकेजिंग करने जैसी इकाइयां विकसित हों, तो किसान केवल कच्चा माल बेचने तक सीमित नहीं रहेगा। वह एक लघु उद्यमी की तरह अपनी आय बढ़ा सकेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार भी बढ़ेगा और पलायन कम होगा। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह भी हर्बल प्रसंस्करण और घरेलू उत्पाद निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

आज कई राज्यों में औषधीय खेती की पहल हो रही है। गंगा किनारे विकसित किया जा रहा हर्बल गलियारा इसका उदाहरण है। यदि किसी क्षेत्र में एक साथ बड़ी मात्रा में औषधीय पौधों की खेती होती है, तो वहां प्रसंस्करण इकाइयां और खरीदार आसानी से विकसित हो सकते हैं। इससे किसानों को बाजार की स्थिरता मिलेगी और निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

मगर तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही अहम है। औषधीय खेती जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ी समस्या बाजार की अनिश्चितता है। कई किसान उत्साह में औषधीय पौधे लगा लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें उचित खरीदार नहीं मिलते। कई बार कंपनियां शुरुआत में ऊंचे दाम का वादा करती हैं, लेकिन फसल तैयार होने पर कीमतें गिर जाती हैं। बिचौलियों का हस्तक्षेप भी किसानों के लाभ को कम कर देता है।

औषधीय पौधों की खेती में गुणवत्ता सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। केवल पौधा उगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसमें आवश्यक औषधीय तत्त्वों की मात्रा भी मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिक खेती, उचित बीज, परीक्षण और प्रमाणन की जरूरत होती है। सामान्य किसान के लिए यह प्रक्रिया अभी भी जटिल और खर्चीली है। यदि प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन मजबूत नहीं हुआ, तो किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पाएंगे।

एक बड़ी चिंता जैव विविधता की भी है। बढ़ती व्यावसायिक मांग के कारण कई दुर्लभ जड़ी-बूटियों का अत्यधिक दोहन हो रहा है। जंगलों से अवैज्ञानिक तरीके से संग्रहण पर्यावरण के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए औषधीय खेती को केवल व्यापारिक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के संवर्धन से जोड़कर देखना होगा। जैविक खेती, जल संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी यहां अत्यंत आवश्यक है।

भारतीय ग्रामीण समाज में औषधीय ज्ञान केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि लोक जीवन में बसा हुआ है। गांवों में दादी-नानी पीढ़ियों से घरेलू उपचारों का ज्ञान संजोती आई हैं। आदिवासी समुदायों के पास अनेक दुर्लभ वनस्पतियों की जानकारी है। दुर्भाग्य से आधुनिक विकास की दौड़ में यह ज्ञान धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। यदि औषधीय खेती को इस लोक-ज्ञान से जोड़ा जाए, तो यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम भी बन सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि औषधीय खेती को केवल सरकारी योजना या अनुदान तक सीमित न रखा जाए। कृषि विश्वविद्यालयों, आयुष संस्थानों, वैज्ञानिकों और किसान संगठनों को मिलकर ऐसा मॉडल विकसित करना होगा, जिसमें किसान उत्पादन से लेकर विपणन तक आत्मनिर्भर बन सके। गांव स्तर पर औषधीय मंडियां, परीक्षण प्रयोगशालाएं और प्रसंस्करण इकाइयां विकसित करनी होंगी।

किसानों को फसल चयन से लेकर बाजार की मांग तक की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। डिजिटल तकनीक भी इस क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। यदि किसानों को मोबाइल पर बाजार भाव, खरीदारों की जानकारी और खेती संबंधी सलाह मिले, तो वे बेहतर निर्णय ले सकेंगे। निर्यात के लिए गुणवत्ता मानकों और प्रमाणन की सरल व्यवस्था भी जरूरी होगी।

दुनिया जब रसायनों से थककर फिर मिट्टी, वनस्पतियों और प्राकृतिक उपचारों की ओर लौट रही है, तब भारत के पास अपनी परंपरा और ज्ञान के बल पर वैश्विक नेतृत्व का अवसर है। यदि नीति, विज्ञान और किसान की मेहनत का सही संगम हो जाए, तो भारत के गांव केवल अन्न भंडार नहीं रहेंगे, बल्कि वे दुनिया के स्वास्थ्य प्रहरी बन सकते हैं। खेतों की हरियाली तब केवल आर्थिक समृद्धि का प्रतीक नहीं होगी, बल्कि मानवता के स्वस्थ भविष्य की आशा भी बनेगी।

जीवन की सबसे बड़ी पूंजी, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं होता

(महिमा सामंत)

आज के समय में जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि लोग लगभग हर बात को लाभ और हानि के तराजू में तौलने लगे हैं। कोई काम करने से पहले मन में पहला प्रश्न उठता है- 'इससे मुझे क्या फायदा होगा?' यदि लाभ दिखाई देता है, तो हम तुरंत आगे बढ़ते हैं और यदि लाभ स्पष्ट न हो तो कई बार हम उस काम से दूरी बना लेते हैं। धीरे-धीरे यह सोच हमारे जीवन का हिस्सा बनती जा रही है।

मगर क्या सच में जीवन की हर बात को लाभ-हानि से मापा जा सकता है? क्या रिश्ते, भावनाएं और मानवीय संवेदनाएं भी किसी व्यापारिक हिसाब-किताब का हिस्सा हो सकती हैं? यदि हम थोड़ा गहराई से सोचें, तो समझ में आता है कि जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही है, जहां कोई गणना या माप-तौल नहीं होता है।

सबसे बड़ा उदाहरण माता-पिता का प्रेम है। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। माता-पिता ने अपने बच्चे के लिए कितनी नींद खोई, कितनी बार अपनी इच्छाएं दबाईं या कितनी मेहनत की, इसका कोई हिसाब वे नहीं रखते। वे कभी यह नहीं सोचते कि बच्चे को पालने-पोसने में कितना निवेश हुआ और उससे उन्हें क्या लाभ मिलेगा।

उनके लिए बच्चे की खुशी ही सबसे बड़ी कमाई होती है। वास्तव में माता-पिता हमें यह सिखाते हैं कि सच्चा प्रेम वह है, जिसमें स्वार्थ और लाभ-हानि का कोई स्थान नहीं होता। मगर जब हम अपनी उम्मीदों के आधार पर किसी से जुड़े होते हैं और सामने वाला व्यक्ति उस पर खरा नहीं उतरता, तो गहरी ठेस पहुंचती है।

इसी तरह शिक्षक और छात्र का संबंध भी केवल औपचारिक नहीं होता। एक सच्चा शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करके अपना कर्तव्य समाप्त नहीं मानता। वह कमजोर विद्यार्थी को अलग से समझाता है, उसे प्रेरित करता है और उसके भीतर आत्मविश्वास जगाने की कोशिश करता है। कई बार शिक्षक कक्षा के बाद भी समय देकर छात्रों की शंकाएं दूर करते हैं, उनके जीवन से जुड़े प्रश्नों पर मार्गदर्शन देते हैं। उन्हें इसके बदले कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलता, फिर भी वे ऐसा करते हैं, क्योंकि उनके लिए छात्र की प्रगति और सफलता ही सबसे बड़ा संतोष होती है।

दोस्ती भी ऐसी ही भावना है, जिसे किसी गणित से नहीं मापा जा सकता। सच्चा मित्र कठिन समय में साथ खड़ा रहता है। वह यह नहीं सोचता कि इससे उसे क्या मिलेगा। मान लीजिए, आपका कोई मित्र अचानक रात में मदद के लिए कहे- उसे अस्पताल जाना हो या किसी समस्या में सहारा चाहिए। उस समय यदि हम लाभ-हानि सोचने लगें, तो मित्रता का मूल्य ही समाप्त हो जाएगा। सच्ची दोस्ती वही होती है, जिसमें निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाया जाए।

दैनिक जीवन में भी हम कई ऐसे छोटे-छोटे काम करते हैं, जिनका कोई आर्थिक लाभ नहीं होता, फिर भी वे हमारे मन को सच्ची खुशी देते हैं। जैसे बस में किसी बुजुर्ग या महिला को अपनी सीट दे देना, किसी अनजान व्यक्ति को रास्ता समझा देना, किसी परेशान मित्र की बात धैर्य से सुन लेना या सड़क पर पड़े किसी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में मदद करना। इन कार्यों से हमें कोई मुनाफा नहीं मिलता, लेकिन संतोष और खुशी जरूर मिलती है। पंचतंत्र की कहानियों में भी इस बात को सुंदर ढंग से समझाया गया है। एक प्रसिद्ध कथा में कबूतरों का एक समूह शिकारी के जाल में फंस जाता है। वे मिलकर जाल सहित उड़ जाते हैं और अपने मित्र चूहे के पास पहुंचते हैं। चूहा बिना किसी स्वार्थ के जाल को काटकर उन्हें मुक्त कर देता है। उसने यह नहीं सोचा कि इससे उसे क्या फायदा होगा। वहां केवल सच्ची मित्रता और सहयोग था। यह कहानी हमें सिखाती है कि संबंधों की ताकत लाभ-हानि से नहीं, बल्कि विश्वास और सहयोग से बनती है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कई बार लोग रिश्तों में भी लाभ ढूंढने लगते हैं। वे सोचते हैं कि यह संबंध उनके काम आएगा या नहीं। मगर सच्चाई यह है कि जो संबंध केवल स्वार्थ पर टिके होते हैं, वे अधिक समय तक नहीं टिक पाते। सच्चे संबंध वही होते हैं, जिनमें अपनापन, विश्वास, सम्मान और सच्चाई हो।

वास्तव में जीवन की सबसे मूल्यवान चीजें वही हैं, जिनका कोई हिसाब-किताब नहीं होता- माता-पिता का स्नेह, दोस्तों का साथ, शिक्षक का मार्गदर्शन और किसी अनजान व्यक्ति की छोटी-सी मदद। इन्हें किसी तराजू में नहीं तौला जा सकता। जब हम भावनात्मक जुड़ाव के बजाय इस बात पर ध्यान देने लगते हैं कि हमें क्या मिल रहा है, तो रिश्ते का मूल अर्थ ही समाप्त होने लगता है। जीवन कोई व्यापार की किताब नहीं है, जहां हर पंक्ति में लाभ और हानि का हिसाब लिखा जाए। यदि हम हर संबंध और हर कार्य को केवल स्वार्थ और लाभ की दृष्टि से देखने लगेंगे, तो जीवन से संवेदनाएं धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

'जब तक विपक्षी दल किसी एक परिवार की जायदाद रहेंगे, तब तक मोदी को चुनौती देने वाला कोई नहीं है'

(तवलीन सिंह)

पिछले सप्ताह यों ही सोशल मीडिया पर खबरें देख-सुन रही थी कि राहुल गांधी दिखे कोटा में छात्रों को संबोधित करते हुए। अंग्रेजी में उन्होंने अपने उस खास अंदाज में कहा कि वह न राजनीति की बातें करने आए हैं और न ही किसी और चीज की, उनकी इस सभा का मकसद सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर बात करने का है। मुझे थोड़ा अजीब लगा कि राजस्थान के इस कोचिंग सेंटर वाले शहर में वह अंग्रेजी में भाषण कर रहे हैं, सो मैंने इस बात को 'एक्स' पर कहा, बिना सोचे कि ऐसा करने से एक बवंडर खड़ा होने वाला है। मेरी इस पोस्ट को कोई पांच लाख लोगों ने पढ़ा, जिसमें से कोई पांच सौ लोगों ने उसे फिर से साझा किया और 700 से अधिक लोगों ने उसको 'लाइक' किया, लेकिन साथ में इतने लोगों से गालियां सुननी पड़ीं कि मैं हैरान रह गई। कांग्रेस के समर्थक थे यह सब, जिन्होंने मुझे हर तरह से परेशान करने की कोशिश की और इनमें कई ऐसे थे।

अक्सर मुझे गालियां देते हैं, जब मैं राहुल गांधी के बारे में कुछ भी कहती हूं।आलोचकों की भीड़ में कांग्रेस पार्टी के कई पुराने समर्थक थे, जिनकी राजनीति वामपंथी सोच पर आधारित है और इस वामपंथी आर्थिक सोच में घुला हुआ है धर्मनिरपेक्षता पर विश्वास। सच यह है कि मैं वामपंथी आर्थिक सोच का दिल से विरोध करती हूं, लेकिन साथ में मुझे पूरा विश्वास यह भी है कि धर्मनिरपेक्षता के बिना भारत टूट सकता है, एक बार फिर। इस बात को इसलिए कह रही हूं आज कि मेरे जैसे कई लोग हैं, जो कांग्रेस को वोट देते, अगर कांग्रेस का नेतृत्व गांधी परिवार के अलावा कोई और कर रहा होता।

सोनिया गांधी ने अपने बच्चों की खातिर एक ऐसे राजनीतिक दल को बर्बाद किया है, जिसकी इस देश को सख्त जरूरत है। शायद उनके कानों तक यह बात अभी तक पहुंची नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सलाहकार मानते हैं कि जब तक कांग्रेस का नेतृत्व राहुल गांधी करते रहेंगे, तब तक मोदी को कोई नहीं हरा सकेगा। राहुल गांधी ने जब से कांग्रेस की कमान संभाली है, उन्होंने सिर्फ अपनी छवि को चमकाने पर ध्यान दिया है, पार्टी की जड़ों को नए तरीकों से सींचकर मजबूत करने पर नहीं। ऐसा इंदिरा गांधी ने भी नहीं किया था, बावजूद इसके कि उनके दौर में परिवारवाद की नींव रखी गई थी। आपातकाल में भी उनके आसपास कई ताकतवर मुख्यमंत्री थे, जिनकी जिम्मेदारी थी पार्टी को राज्यों में ताकतवर बनाने की।

इस परंपरा को तोड़ा सोनिया गांधी ने, इसलिए कि उनकी एक ही इच्छा थी और वह यह कि उनके बच्चों से ऊंचे कद का कोई नेता सिर उठाने की हिम्मत न दिखाए। ऐसा अक्सर होता है उन राजनीतिक दलों में, जो असली राजनीतिक पार्टी न रहकर किसी परिवार की निजी जायदाद बन जाते हैं। ऐसे राजनीतिक दलों की समस्या यह है कि जब तक सत्ता उनके हाथ में रहती है, तब तक उनका पूरा काबू रहता है पार्टी के नेतृत्व पर, लेकिन जैसे ही सत्ता जाती है, बिखरने लगते हैं सब बारी-बारी।

पिछले दिनों हमने देखा है कि कैसे तृणमूल कांग्रेस बिखरकर टूट गई है ममता बनर्जी के चुनाव हारने के बाद और उससे पहले महाराष्ट्र में शरद पवार जैसे महारथी भी अपनी पार्टी को टूटने से नहीं रोक सके, जब सत्ता उनके हाथों से खिसक गई।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी इस समय टूटने के कगार पर पहुंच गई है। इस दल के सांसद भी बागी हो गए हैं। उद्धव ठाकरे के प्रवक्ताओं ने दोष साजिशों पर डालने की बहुत कोशिश की, ऐसा कहकर कि सांसदों को 15 करोड़ रुपए में खरीदा जा रहा है, लेकिन अपने गिरेबान में झांककर देखते तो उनको दिखता कि पार्टी को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की जो जरूरत है, उनके नेता शहजादे कर नहीं पाते हैं। ऐसे में पार्टी कमजोर होती जाती है।इन विपक्षी दलों के सामने है नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी, जिसकी जड़ें काबिल नेतृत्व के कारण देशभर में फैल गई हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी में 2014 के बाद बड़े नेता छोड़कर जाते रहे हैं। गांधी परिवार के दरबारी भी छोड़ते गए हैं। अब रह गए हैं सिर्फ ऐसे लोग, जो गांधी परिवार के नाम पर ही चुनाव जीत सकते हैं, अपने नाम पर नहीं। या वे लोग, जिनकी राजनीति चुनाव जीतने पर नहीं, दरबार में खुशामद करने से आगे बढ़ने पर टिकी हुई है। ये लोग कहीं जा नहीं सकते हैं, इसलिए कि किसी दूसरे दल में जाने के रास्ते उनके लिए बंद हैं और लोकसभा चुनाव जीतने की कोई उम्मीद नहीं है। कड़वा सच यह है कि जब तक विपक्षी दल किसी एक परिवार की जायदाद रहेंगे, तब तक नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाला कोई नहीं है, बावजूद इसके कि देश के युवाओं में अब बेचैनी और मायूसी दिखने लगी है। न सिर्फ प्रश्नपत्र लीक होने की वजह से, बल्कि इस वजह से भी कि अगर परीक्षाओं में पास भी हो जाते हैं खूब मेहनत करने के बाद, तो उनकी मायूसी तब बढ़ती है, जब वे रोजगार ढूंढने निकलते हैं। इस मायूसी का लाभ फिलहाल मिला है 'काकरोच जनता पार्टी' को और कांग्रेस को कम। इसका कारण यह है कि न राहुल गांधी अभी तक अपने 24 घंटे राजनीति को देने के लिए तैयार हैं और न ही उनकी बहन। प्रियंका अच्छे भाषण जरूर दे लेती हैं हिंदी में, लेकिन अभी तक उनमें वह शक्ति नहीं दिखती है, जिसको देखकर कोई कह सके कि आने वाले दिनों में नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकती हैं। सो इन दिनों जब भी मोदी भक्त मिलते हैं मुझे, वे यकीन के साथ कहते हैं कि वर्ष 2029 में भी 'आएंगे तो मोदी ही।'

शिक्षक निभायें अपना दायित्व: नगर पालिका उपाध्यक्ष, पालक भेजें बच्चों को स्कूल: पार्षद

संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम संपन्न

बीजापुर। बीजापुर जिला मुख्यालय के सबसे बड़े संकुल पुजारी पारा अ एवं संजय पारा संकुल ने संयुक्त रूप से शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल बीजापुर मे मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका पार्षद बीजापुर बसंती लिंगम रही। विशेष अतिथि के रूप मे विध्यालय के प्रभारी प्राचार्य एल डी मानिकपुरी एवं पोटा केबिन की प्राचार्य फूलदई शाह मण्डावी रही। सर्व प्रथम मुख्य अतिथियों का स्वागत सीएसी रमन झा एवं मोगली गटैया द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। अन्य विशेष अतिथियों का स्वागत चंद्रकाँता झाड़ी, गीता जब्बा एवं मनोज कोण्डू द्वारा किया गया जो कि संकुल के वरिष्ठ शिक्षक हैं। मुख्य अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान ने कहा शिक्षक भी अपना दायित्व निभायें ताकि बच्चों का संर्वागीण विकास हो।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये पार्षद बसंती लिंगम द्वारा पालकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। विशेष अतिथि के रूप मे संस्था के प्राचार्य एल डी मानिकपुरी ने शिक्षा के अग्रदूत रहे। डॉ अम्बेडकर के कथन को कोड करते हुये कहा एक रोटी कम खायें पर अपने बच्चों को स्कूल जरुर भेजें जिससे उनका शारीरिक वा मानसिक विकास हो सके। संस्था की व्याख्याता स्वर्णलता खलखो द्वारा भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर पाठ्य पुस्तक एवं ड्रेस देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कैलाश रामटेके द्वारा किया गया। इस अवसर पर संकुल के शिक्षक/ शिक्षिकाएँ पालकगण सहित छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे विशेष भोजन का सभी ने आनंद लिया। अंत मे सी सीएसी रमन झा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

पीएटी प्रवेश परीक्षा 28 जून को, जिले में 804 परीक्षार्थी होंगे शामिल

कांकेर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आगामी 28 जून रविवार को पी.ए.टी., पी.वी.पी.टी. प्रवेश परीक्षा 2026 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा पूर्वाह्न 10 से दोपहर 01.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। कांकेर जिले में परीक्षा के लिए कुल चार परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें कुल 804 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा पीएटी प्रवेश परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर आस्था बोरकर को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कांकेर जिला मुख्यालय में चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित

श्रमिकों के बच्चों हेतु कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क अध्ययन का अवसर

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल (श्रम विभाग) द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिसके तहत् निर्माण श्रमिकों के चयनित मेधावी बच्चों को आवासीय विद्यालयों में कक्षा 06 में प्रवेश दिलाया जा कर कक्षा 12वीं तक की कक्षाओं में निःशुल्क अध्ययन का अवसर प्रदान किया जाएगा। योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों से 22 जून 2026 से 03 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। श्रम पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार आवेदन हेतु 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम 02 बच्चे योजना हेतु पात्र होंगे, कक्षा 06 में प्रवेश हेतु बच्चे की आयु 10 वर्ष से 12 वर्ष के मध्य होना चाहिए, विद्यार्थी विगत वर्ष छ0ग0 शासन द्वारा संचालित किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में नियमित रूप से अध्ययन किया हो। आवश्यक दस्तावेज में 01 वर्ष पूर्व निर्माण श्रमिक के रूप पंजीयन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र (श्रमिक का), आधार कार्ड, 5वीं का अंकसूची, वर्तमान कक्षा में अध्ययनरत् प्रमाण पत्र, इस योजना का आवेदन जिला श्रम पदाधिकारी कार्यालय, श्रम संसाधन केन्द्र जनपद पंचायत, या नजदीकी लोक सेवा केन्द्र या च्वाईस सेंटर के माध्यम से आवेदन करा सकते हैं।

डायल-112 बनी जीवनरक्षक, सर्पदंश पीड़ित को समय पर पहुंचाया अस्पताल

तत्पर पुलिस सहायता से सर्पदंश पीड़ित को मिला त्वरित उपचार

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस की डायल-112 आपातकालीन सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सर्पदंश से पीड़ित एक ग्रामीण को समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया। दिनांक 22 जून 2026 को डायल-112 को सूचना प्राप्त हुई कि थाना एड़का क्षेत्रांतर्गत ग्राम बड़ागांव में एक व्यक्ति को सर्प ने काट लिया है। सूचना मिलते ही डायल-112 इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई और लगभग 28 किलोमीटर की दूरी तय कर मौके पर पहुंची।

पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए सर्पदंश पीड़ित को सुरक्षित रूप से वाहन में बैठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किसकोड़ो पहुंचाया, जहां उसे तत्काल उपचार हेतु भर्ती कराया गया। समय पर पुलिस सहायता एवं चिकित्सा सुविधा मिलने से पीड़ित को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सका और उसकी स्थिति सुरक्षित रही। नारायणपुर पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर है। आपातकालीन परिस्थितियों में डायल-112 सेवा निरंतर लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाकर जनसेवा का कार्य कर रही है।

छोटे बेठिया के जंगलों में सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता, नक्सलियों का डंप बरामद

पखांजूर। छोटेबेठिया नक्सल प्रभावित क्षेत्र छोटेबेठिया में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीएसएफ की 94वीं बटालियन और छोटेबेठिया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आमाटोला और टेकमटोला के जंगलों में सर्च ऑपरेशन, एरिया डॉमिनेशन तथा डी-माइनिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा जंगल क्षेत्र में छिपाकर रखा गया एक डंप बरामद किया। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने संदिग्ध स्थान की घेराबंदी कर पूरी सतर्कता और बारीकी से तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान डंप से नक्सल गतिविधियों में उपयोग होने वाली सामग्री बरामद की गई। बरामद सामान में चार भरमार बंदूकें, वॉकी-टॉकी की बैटरी एवं टंकी, शुगर टेस्ट किट, नक्सली साहित्य, नक्सली वर्दी, बारूद सहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह बरामदगी नक्सल संगठन की गतिविधियों और उनकी आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण कार्रवाई मानी जा रही है। माना जा रहा है कि यह सामग्री नक्सलियों द्वारा लंबे समय से जंगल क्षेत्र में छिपाकर रखी गई थी और आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाई जाती थी। बीएसएफ एवं छोटेबेठिया पुलिस द्वारा लगातार संयुक्त अभियान चलाकर क्षेत्र में नक्सल नेटवर्क को कमजोर करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षा बलों का कहना है कि आने वाले समय में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे ताकि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

नारायणपुर जिला प्रशासन की बड़ी राहत- थुलथुली के ग्रामीणों को अब 25 किमी दूर पैदल नहीं जाना होगा, गांव में ही मिला राशन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में नारायणपुर जिला प्रशासन ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत थुलथुली के हितग्राहियों को अब राशन के लिए मीलों दूर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उनके अपने गांव में ही खाद्यान्न उपलब्ध करा दिया गया है।

'ट्रैक्टर के माध्यम से दुर्गम रास्तों को किया पार'जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि भौगोलिक रूप से बेहद कठिन और दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद, ओरछा से ट्रैक्टर के माध्यम से खाद्यान्न का सुरक्षित परिवहन किया गया। राशन सीधे ग्राम थुलथुली पहुंचाकर वहां शिविर मोड में वितरित किया गया। लाभान्वित परिवारों में अंत्योदय राशन कार्डधारी 343, निराश्रित राशन कार्डधारी 01 और एपीएल राशन कार्डधारी 01 शामिल है।

'बच गए पैर के छाले, समय और धन की भी हुई बचत' पूर्व में थुलथुली के ग्रामीणों को राशन लेने के लिए लगभग 25 किलोमीटर का सफ र पैदल तय कर ओरछा जाना पड़ता था। इस पथरीले और जंगलात वाले रास्ते पर सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को होती थी। गांव में ही राशन पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि इस संवेदनशील पहल से उनके समय, श्रम और पैसे तीनों की बड़ी बचत हुई है। जिला प्रशासन नारायणपुर का कहना है कि दूरस्थ और अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं और आवश्यक सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सहज और प्रभावी ढंग से पहुंचे, इसके लिए प्रशासन लगातार मैदानी स्तर पर मुस्तैदी से काम कर रहा है।

बस्तर संभाग में बोनी ने पकड़ी रफ्तार 40 हजार हेक्टेयर में हुई बुवाई

जगदलपुर। मानसून की पहली बारिश के साथ बस्तर संभाग में खरीफ फसल सीजन 2026 की बुवाई कार्य में तेजी आने लगी है। कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसार संभाग में निर्धारित 09 लाख 16 हजार हेक्टेयर लक्ष्य के विरुद्ध अब तक लगभग 40 हजार हेक्टेयर से ज्यादा रकबा में खरीफ फसलों की बुवाई की जा चुकी है। फिलहाल कृषक अपनी सुविधा के अनुरूप बुवाई के साथ ही सिंचाई साधन की उपलब्धता के आधार पर धान की रोपाई में व्यस्त हैं। संयुक्त संचालक कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग महादेव ध्रुव ने बताया कि खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों की आवश्यकता अनुसार खाद और बीज का भंडारण तथा वितरण किया जा रहा है। अब तक 63 हजार क्विंटल बीज की मांग के विरूद्ध करीब 45 हजार क्विंटल से ज्यादा बीज का भंडारण किया गया है, जिसमें से 17 हजार क्विंटल से अधिक बीज किसानों को वितरित किए जा चुके हैं। वहीं उर्वरक के लिए एक लाख 82 हजार मीट्रिक टन लक्ष्य के विरुद्ध 95 हजार मीट्रिक टन भंडारित कर 39 हजार मीट्रिक टन उर्वरक किसानों को वितरित किया गया है। वर्तमान में बीज एवं उर्वरक का भंडारण निरंतर जारी है, और रैक की उपलब्धता के आधार पर जिलों को आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप धान के विकल्प के रूप में दलहन एवं तिलहन फसलों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, कुल्थी, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और रामतिल जैसी फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही कोदो, कुटकी, रागी और ज्वार जैसी लघु धान्य फसलों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

किरंदुल चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स द्वारा किया गया पौधारोपण

किरंदुल। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किरंदुल चैंबर ऑफकॉमर्स द्वारा सोमवार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों ने विद्यालय परिसर में पीपल, बरगद, आम, जामुन, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों के साथ-साथ रंग-बिरंगे सजावटी पौधों का रोपण किया। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन के दौर में वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का आधार भी बनते हैं।इस अवसर पर किरंदुल चैंबर ऑफकॉमर्स के सचिव राज प्रसाद, उपाध्यक्ष संजय सोनी व सुषमा साहू, सह सचिव शेखर दत्ता, कार्यालय सचिव राजेश वैपराल, कोषाध्यक्ष विशाल जैन,विकास स्वामी, सविता पाल, सुरेंदर कौर, अतुल सिंह, आजाद सक्सेना, राजेंद्र सक्सेना,विप्लव मल्लिक, धरमपाल मिश्रा, सुजीत पिल्ले मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान की सराहना करते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।इस पूरे कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य मंगरीटा टोपों एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने एक पेड़, सौ पीढ़ियों का उपहार के संदेश के साथ लिया संरक्षण का संकल्प। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण और क्षेत्र को हराभरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

राशन वितरण में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त अब सिर्फ बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से मिलेगा खाद्यान्न

जगदलपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के लिए बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जिले की सभी ऑनलाइन उचित मूल्य दुकानों में राशन सामग्री का वितरण अब अनिवार्य रूप से ई-पॉस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों के आधार प्रमाणीकरण यानी बायोमेट्रिक द्वारा ही किया जाएगा। भारत सरकार की वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आधार प्रमाणीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है, ताकि राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे। इस संबंध में जारी परिपत्र में निर्देशित किया गया है कि कई राशन दुकानों में बायोमेट्रिक के बजाय सीधे मोबाइल ओटीपी के जरिए राशन बांट दिया जाता है, जिससे गड़बड़ी और अनियमितता की आशंका बनी रहती है। इस व्यवस्था पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए ओटीपी के माध्यम से राशन वितरण केवल कुछ बेहद विशेष और सीमित परिस्थितियों में ही मान्य होगा। यह छूट केवल उन राशनकार्डों को मिलेगी जिनमें सभी सदस्यों की उम्र 60 वर्ष से अधिक या 10 वर्ष से कम हो या फिर वे एकल निराश्रित और निःशक्तजन राशनकार्डधारी हों जिनके पास नॉमिनी के माध्यम से राशन लेने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इन विशेष हितग्राहियों को भी ओटीपी का विकल्प तभी दिया जाएगा, जब उनका आधार प्रमाणीकरण का प्रयास भौतिक रूप से पूरी तरह विफल साबित हो जाए। इसके साथ ही नियमों को और सख्त करते हुए यह भी निर्देशित किया गया है कि यदि किसी राशनकार्ड में मुख्य हितग्राही के स्थान पर कोई नामांकित व्यक्ति (नॉमिनी) राशन लेने पहुंचता है।

एनएमडीसी, बचेली द्वारा स्थानीय किसानों की सतत आय वृद्धि हेतु निःशुल्क फलदार पौधों का वितरण

बचेली। बागवानी आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से एनएमडीसी, बचेली अपने सीएसआर विभाग द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की हैं। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ग्रामीण परिवारों के आजीविका को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 23.06.2026 को एनएमडीसी सिविल नर्सरी, बचेली में निःशुल्की लदार पौधों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत नेरली के 20 ग्रामीणों को कुल 620 पौधे वितरित किए गए, जिनमें 140 आम, 300 लीची और 180 नारियल के पौधे शामिल हैं तथा ग्राम पंचायत बड़े बचेली के 32 ग्रामीणों को कुल 993 पौधे वितरित किए गए, जिनमें 224 आम, 481 ली ची और 288 नारियल के पौधे शामिल हैं। इस वर्ष की योजना के अंतर्गत शुरआत में नेरली और बड़े बचेली ग्राम पंचायतों में आम, लीची और नारियल के कुल 1,613 फलों के पौधे वितरित किए गए हैं तथा आगामी दिनों में 10 पंचायतों को निःशुल्क फलदार पौधों का वितरण किया जायेगा जिसमें भांसी, गमावाड़ा, बड़े कमेली, बेनपाल, गंजेनार, दुगेली, पाड़ापुर, धुरली तथा मोलसनार शामिल हैं। इस वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में महेश एस नायर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), जोसी थामस, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सीएसआर तथा सौरभ कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे। ग्रामीणों ने इस योजना की सराहना करते हुए एनएमडीसी, बचेली प्रबंधन का आभार प्रकट किया।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत 3 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नारायणपुर। श्रम विभाग जिला नारायणपुर द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया 22 जून 2026 से प्रारंभ होकर 03 जुलाई 2026 तक संचालित रहेगी। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, योजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर भविष्य निर्माण हेतु उत्कृष्ट शैक्षणिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को जिले के निर्धारित श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश दिलाया जाएगा तथा उन्हें कक्षा 12वीं तक निःशुल्क अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों की शिक्षा, आवास एवं अन्य निर्धारित शुल्कों पर होने वाले व्यय का वहन मंडल कार्यालय रायपुर द्वारा संबंधित आवासीय विद्यालयों को किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के माध्यम से विकास के समान अवसर प्रदान करना है, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने भविष्य को सशक्त बना सकें। पात्र हितग्राहियों से निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की गई है। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी श्रम विभाग एवं संबंधित कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत एसईसीएल मुख्यालय में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित

बिलासपुर। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र सहित विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नारी शक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यस्थल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि 16 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एसईसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न संचालन क्षेत्रों में विविध जागरूकता एवं स्वच्छता गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

मरवाही अपहरण कांड का पुलिस ने किया खुलासा, 3 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र में हुए अपहरण और फिरौती के मामले का पुलिस ने महज तीन दिनों के भीतर खुलासा करते हुए अपहृत गिरीश यादव को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में तीन अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, 20 जून 2026 की सुबह ग्राम उषाढ़ निवासी 41 वर्षीय गिरीश यादव का दो अज्ञात व्यक्तियों ने पिस्टल दिखाकर उनके घर से अपहरण कर लिया था। आरोपियों ने उन्हें एक बलेनो कार में बैठाकर अज्ञात स्थान पर ले गए थे। घटना की रिपोर्ट गिरीश यादव की पत्नी ने थाना मरवाही में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने अपहरण, फिरौती और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक मनोज खिलारी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिला साइबर सेल और मरवाही पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने डिजिटल ट्रैकिंग, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, टॉवर लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान अपहर्ताओं ने गिरीश यादव के घर में छूटे मोबाइल पर कॉल कर उन्हें छोड़ने के बदले 20 लाख रुपये की फिरौती की मांग की और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अंतरराज्यीय समन्वय के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर विभिन्न राज्यों में टीम रवाना की, जिसके बाद अपहृत को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मामले में महाराष्ट्र के लातूर निवासी पुंडलिक केंद्रे, राजस्थान के जोधपुर निवासी चंद्रशेखर और उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद निवासी शेषपाल सिंह को गिरफ्तार किया है।

जनप्रतिनिधियों के साथ समाज सेवियों का हुवा ससम्मान एवं नि:शुल्क स्वास्थ शिविर रहा विशेष

बिलासपुर। 22 जून मिशन नव भारत युवा मोर्चा के तत्वावधान में संगठन का 22वां स्थापना दिवस, समाजसेवी एवं पत्रकार सम्मान समारोह तथा विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जल संसाधन विभाग स्थित प्रार्थना भवन, बिलासपुर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिशन नव भारत युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमाशंकर साहू ने की। विशिष्ट अतिथियों में राजेश सिंह, राजेश सूर्यवंशी, विक्रम सिंह ठाकुर, रामदयाल उइके, विजय बहादुर जगत, जया जलेश्वर साहू एवं अजयनी साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा, पत्रकारिता, शिक्षा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। साथ ही आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। बाल कलाकार तनिष्क वर्मा ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

पुलिस ने मरवाही थाना क्षेत्र के अपहरण एवं फिरौती के मामले का किया पर्दाफाश

अपहृत गिरीश यादव को 03दिवस के भीतर किया सकुशल बरामद

- मामले के 03 आरोपी गिरफ्तार तथा अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश जारी
- अंतरराज्यीय समन्वय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 20.06.2026 के सुबह 11.00 बजे गिरीश यादव पिता रंजित यादव उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम उषाढ थाना मरवाही जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही को पिस्टल दिखाकर उसके घर से दो अज्ञात व्यक्तियो के द्वारा अपहरण कर बलेनो कार में बैठाकर ले जाने की घटना की रिपोर्ट थाना मरवाही में पीडित की पत्नी के द्वारा दर्ज कराया गया , जिस पर थाना मरवाही में अपराध क्रमांक 110/2026 धारा 333, 140(3), 351(3), 3(5) बीएनएस, 25, 27 आर्म्स एक्ट कायम कर घटना की सूचना वरिष्ट अधिकारियों को दिया गया जिस पर पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री रामगोपाल गर्ग के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक जीपीएम श्री मनोज खिलारी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिला साइबर सेल जीपीएम एवं थाना मरवाही की संयुक्त टीम द्वारा लगातार डिजिटल ट्रैकिंग एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्यवाही किया गया । इसी क्रम में पीडित गिरीश यादव के घर में छुटे मोबाईल पर अज्ञात मोबाईल धाकर के द्वारा कॉल करके गिरीश यादव को छोडने के एवज में 20,000,00/-(बीस लाख रू.) की मांग एवं नही देने पर जान से मारने की धमकी भरे कॉल आने लगे जिस पर उक्त नंबर का सीडीआर , टावर लोकशन एवं सीसीटीवी

फुटेज के आधार पर आरोपियों के सही लोकेशन का पता लगाया गया तथा विभिन्न राज्यों में पुलिस टीम भेजा जाकर अपहृत गिरिश यादव को सही सलामत बरामद किया गया साथ ही 03 अपहर्ताओ को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया बाद आज दिनांक को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मरवाही के समक्ष पेश कर आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। आरोपियों से विस्तृत पूछताछ कर अग्रिम विवेचना किया जायेगा । इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज श्री रामगोपाल गर्ग के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक जीपीएम श्री मनोज खिलारी के मार्गदर्शन में श्री अविनाश कुमार मिश्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीपीएम, श्री राजेश देवांगन एसडीओपी मरवाही, निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह थाना प्रभारी मरवाही ,निरीक्षक अंजना केरकट्टा थाना प्रभारी अजाक, उप निरीक्षक श्यामलाल गढेवाल थाना मरवाही, उप निरीक्षक सुरेश ध्रुव थाना अजाक, उप निरीक्षक सनत मात्रे थाना गौरेला, सउनि नवीन मिश्रा चौकी प्रभारी सिवनी एवं जिला साइबर सेल जीपीएम की टीम सउनि मनोज हनोतिया सायबर सेल प्रभारी जीपीएम,प्र.आर.रवि त्रिपाठी,आर.दुष्यंत मसराम तथा थाना मरवाही के उप निरीक्षक रोहित डहरिया, प्रशिक्षु उप निरीक्षक दुर्गेश , प्रशिक्षु उप निरीक्षक अमित कुमार साहू, प्र.आर. मनोरंजन कुजूर ,प्र.आर. जगदीश नामदेव, प्र .आर.गुलाब प्रजापति, प्र.आर.अजय सिंह,प्र.आर. अशोक गौतम,आरक्षक राजेश शर्मा, मनोज मरावी, अशोक कुमार, अनिल पैकरा, चितर सारठे , दीपक पाण्डेय ,म.आर.सरिता मरावी, नगर सैनिक भूपत सिंह, रोशन लहरे, म.नगर सैनिक निर्मला मिंज, सरोज मरावी की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

मोहल्ला समितियां क्षेत्र के विकास और जनभागीदारी की सशक्त कड़ी हैं-अमर

- सामाजिक गतिविधियों के संचालन तथा विकास कार्यों में जन सहभागिता सुनिश्चित करने में इन समितियों की अहम भूमिका रहती है

बिलासपुर। नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने बिलासपुर की नवगठित मोहल्ला समिति के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सदस्यों एवं समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि मोहल्ला समितियां केवल एक संगठनात्मक व्यवस्था नहीं हैं, बल्कि क्षेत्र के विकास, जनभागीदारी और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। स्थानीय स्तर पर नागरिकों की समस्याओं के समाधान, सामाजिक गतिविधियों के संचालन तथा विकास कार्यों में जनसहभागिता सुनिश्चित करने में इन समितियों की अहम भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिसमें मोहल्ला समितियां एक प्रभावी सेतु का कार्य करती हैं। ऐसी समितियां न केवल सामाजिक एकता को मजबूत करती हैं, बल्कि क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनभावनाओं को भी प्रभावी ढंग से सामने लाने का कार्य करती हैं। श्री अमर अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि नव निर्वाचित पदाधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करते हुए क्षेत्र के विकास, स्वच्छता, सामाजिक सद्भाव और जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे तथा बिलासपुर को और अधिक सशक्त एवं विकसित बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्रवासियों से भी समिति के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

डीडी हॉस्पिटल में अनियमितताओं पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई....

- जिला प्रशासन के निर्देश पर जांच, कारण बताओ नोटिस जारी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार डी.डी. हॉस्पिटल सेमरा तिराहा पेंड्रारोड का स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण एवं जांच की गई। जांच के दौरान अस्पताल के संचालन एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं में विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अस्पताल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण में निम्नानुसार कमियाँ पाई गयी। मृतक मरीज ज्योति सोनवानी एक्लेम्सिया नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित थी, जिसका इलाज चिकित्सा महाविद्यालय में ही किया जाना संभव होता है। परन्तु उसके उपरांत भी आपके द्वारा मरीज को संस्था में भर्ती किया गया, जो नियमानुसार उचित नही है। नर्सिंग होम एक्ट के नियम 2010 एवं 2013 अंतर्गत कॉडिका 1.3.2. अनुसार अंत: रोगी की आपातकाल मांग में उपचार की सेवा के लिए एक चिकित्सक (मेडिकल प्रैक्टिशनर) की सेवाये 24 घंटे उपलब्ध होना चाहिए 7 जांच के दौरान 17 व 18 जून 2026 को कोई चिकित्सक अस्पताल में मरीजों के देखभाल हेतु एवं दक्ष स्टाफ भी उपलब्ध नहीं थे जो उक्त नियम के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। वार्ड में सर्जरी उपरान्त कई मरीज भर्ती पाये गये ऐसी संवेदनशील स्थिति में भी ऑन ड्यूटी चिकित्सक का न मिलना अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही, अकर्मण्यता, और संवेदनहीनता को प्रदर्शित करता है। क्षेत्र के मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जीवन रक्षा को दृष्टिगत रखते हुए शल्य कार्य हेतु स्त्री रोग विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सक, निश्चेतना विशेषज्ञ एवं अन्य दक्ष स्टाफकी पूर्णकालिक सेवा एवं भर्ती मरीजो के देख रेख हेतु 24 घंटे 7 दिन आवासीय चिकित्सा अधिकारीका होना अनिवार्य है परन्तु आपके संस्था में यह नही पाया गया, जिससे संस्था द्वारा नियम का उल्लंघन किया गया है। आयुष्मान भारत योजना के पैकेज के अलावा अतिरिक्त रूप से राशि 1 लाख 50 हजार रुपये लिए जाने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है, जो आयुष्मान योजना को विफल करता है, यह उचित नही है। नोटिस में कहा गया है कि आपका यह कृत्य छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाए अनुज्ञापन अधिनियम 2010 के तहत कॉडिका (वर्ष 2010 की धारा 7,8 एवं 18 (2) (ग)) के अधीन आपेक्षित मानको के तहत आपके द्वारा जरूरी डॉक्टर एवं स्टाफकी कमी को पूरा न करना नियमो का स्पष्ट उल्लंघन है।

यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 20 बसों समेत कई वाहनों पर कार्रवाई

बिलासपुर। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बिलासपुर यातायात पुलिस ने सोमवार को सख्त अभियान चलाते हुए 20 बसों समेत कई अन्य वाहनों पर कार्रवाई की। इस दौरान वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर और अमानक हूटर हटाए गए तथा चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में चलाए गए इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान जिन वाहनों में प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर और हूटर लगे पाए गए, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए। गंभीर मामलों में प्रकरण तैयार कर न्यायालय भी भेजे गए हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि प्रेशर हॉर्न और मॉडिफाइड साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाज न केवल ध्वनि प्रदूषण बढ़ाती है, बल्कि गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा हृदय और अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती है। कई बार इनकी तेज आवाज से मानसिक तनाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। पुलिस ने वाहन चालकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार के प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर या हूटर का उपयोग न करें। साथ ही ऐसे उपकरण बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए इस तरह के विशेष अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे।

पंडरीपानी में आयोजित विशेष ग्राम सभा में पीएम आवास हेतु सर्वेक्षित 163 हितग्राहियों की सूची का अनुमोदन.....

- कलेक्टर ने हितग्राहियों के नाम का किया वाचन, जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों से अपील
- नशामुक्ति और स्वच्छता के लिए दिलायी गई शपथ

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला विकासखण्ड के बैगा बहुल ग्राम पंचायत पंडरी पानी में आयोजित विशेष ग्राम सभा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वेक्षित पात्र 163 हितग्राहियों की सूची का अनुमोदन किया गया। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने हितग्राहियों के नाम का ग्राम सभा में वाचन कर ग्रामीणों से उनकी पात्रता-अपात्रता के बारे में जानकारी प्राप्त किया। खुले क्षेत्र में महुआ पेड़ के नीचे जमीन में चटाई पर ग्रामीणों के साथ कलेक्टर ने बैठकर ग्राम पंचायत पंडरीपानी में सभी मूलभूत सुविधाओं तथा ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगो के बारे में चर्चा की। कलेक्टर ने वर्ष 2024 में आवास सर्वे अभियान 2.0 के तहत प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्रता हेतु निर्धारित मापदण्डो के अनुरुप सर्वेक्षित सभी 163 हितग्राहियों के नाम का वाचन कर उनकी उपस्थिति तथा उनकी पात्रता के संबंध में ग्रामीणों से पूछ-ताछ किया। उन्हांने कहा कि सरकार के निर्देशा अनुसार प्रदेश के सभी जिलों तथा ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया है। उन्होंने पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ उठाने ग्रामीणों से आग्रह किया। उन्होंने किसानों को वर्षा कम होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए कम पानी वाला फसल लेने तथा धान के बदले अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, हिरवा, रामतिल आदि दलहन-तिलहन फसल लेने सुझाव दिया। साथ ही आय बढ़ाने के लिए आम, अमरुद, नीबू आदि उद्यानिकी फसलों के लिए किसानों को प्रेरित किया। कलेक्टर ने वर्षा जल संचयन पर विशेष जोर देते हुए नरवा, डबरी, तालाब, स्टॉप डेम, चेक डेम, एनीकट आदि जलाश्यों को बांध कर रखने तथा भू-जल संवर्धन के लिए हैंडपंपो के पास सोख्तापिट बनाने ग्रामीणों से अपील किया। उन्होंने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने खासकर बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया। ग्राम सभा में जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे ने सरपंच श्रीमती पालकी बाई मसराम द्वारा मुक्तिधाम की मांग पर मुक्तिधाम सहित पंचायत की जितनी भी मांगे एवं आवश्यकताऐ हैं।

मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,गौरेला में शाला प्रवेश उत्सव मनाया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गौरेला में आज विकास खंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे जी उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी जी ने की। विशिष्ट अतिथियों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री उपेंद्र सिंह ठाकुर, खंड स्त्रोत समन्वयक श्री संतोष सोनी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री अनीस अंसारी, शिक्षाविद् श्री प्रकाश नामदेव, सरदार कुलदीप सिंह, श्री बृजलाल राठौर तथा पार्षदगण श्री मनोज विश्वकर्मा, श्री नितेश साहू, श्रीमती अलका ताम्रकार, श्री आयुष, श्री सुरेश उइके, श्रीमती अरुणा चक्रधारी, श्री गोविंद अग्रवाल, ठाकुर रामप्रकाश सिंह एवं श्री मनीष जायसवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन-अतिथियों के पुष्पगुच्छ भेंट एवं बैज अलंकरण से हुआ। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य श्रीमती उषा शर्मा तथा विद्यालय परिवार के श्री अरविंद पाण्डेय, श्री विवेक तिवारी, एस.एल. सायतोंडे, निर्मल पाण्डेय, श्री नरेश कुमार पात्रे, श्री उत्तरा दिवाकर, रमेश कुमार प्रधान, श्री मेवा सिंह राठौर, मनीष साहू एवं ज्योतिष साहू द्वारा किया गया। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का रोली-टीका लगाकर एवं मुंह मीठा कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, गणवेश एवं साइकिलों का वितरण किया गया। साथ ही

शैक्षणिक सत्र 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं कला संकाय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षक श्री नरेश कुमार पात्रे व्याख्याता द्वारा डॉक्यूमेंट फाइल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संकुल केंद्र मिश्री देवी के संकुल समन्वयक श्री सुनील दत्त राय सहित संकुल टीकरकला, डुमरिहा एवं गौरेला के समस्त संकुल समन्वयक, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं पालकगण उपस्थित रहे। साथ ही मिश्री देवी विद्यालय के समस्त व्याख्याता, शिक्षक-शिक्षिकाएं, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा पालकगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे जी ने विद्यालय के समक्ष मंच शेड निर्माण, वाटर कूलर स्थापना, साइकिल स्टैंड शेड मरम्मत एवं पेयजल पाइपलाइन व्यवस्था कराने की महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कार्यक्रम उपरांत श्री मुकेश दुबे एवं श्रीमती ज्योति मुकेश दुबे द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के लिए स्नेहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें चावल, दाल, सब्जी, खीर, पूरी, सलाद एवं पापड़ परोसे गए। अपने प्रेरणादायी संबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी जी ने जिले में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में बंदी की हत्या.....

बिलासपुर। बिलासपुर सेंट्रल जेल में मंगलवार को एक बंदी की हत्या से हड़कंप मच गया। जेल के ई-1 बैरक में बंद विचाराधीन बंदी नीलू जगत की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में अफरा-तफरी का माहौल है।मृतक नीलू जगत कोटा थाना क्षेत्र के दबनपुर का रहने वाला था और वह नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसकी हत्या नाली के स्लैब से सिर कुचलकर की गई है।जानकारी के अनुसार, जिस ई-1 बैरक में यह घटना हुई, वह मानसिक रूप से बीमार बंदियों के लिए आरक्षित है। हत्या का आरोप जेल में बंद राजेश राय पर लगाया जा रहा है। राजेश मुंगेली जिले के चमारी गांव का निवासी है और तिहरे हत्याकांड के मामले में पिछले करीब 17 वर्षों से जेल में बंद है। उसे भी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन, पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। बैरक को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जेल के भीतर इतनी बड़ी वारदात कैसे हुई और सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई। इस घटना ने सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था और मानसिक रूप से बीमार बंदियों की निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आज साल की सबसे बड़ी निर्जला एकादशी

हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाता है। ये साल की सबसे बड़ी और अधिक पुण्यदायी एकादशी मानी जाती है। निर्जला एकादशी का व्रत सभी एकादशी व्रतों में सबसे कठिन होता है। इस साल 25 जून यानी कल निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाने वाला है। इस दिन भगवान विष्णु के भक्त निर्जला उपवास रखते हैं। यही कारण है इसको सबसे कठिन व्रत कहते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि निर्जला एकादशी का व्रत रखने और विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करने पर सभी एकादशी व्रतों का पुण्य प्राप्त हो जाता है। साथ ही जन्म मरण के चक्र से आत्मा को मुक्ति मिल जाती है और वैकुंठ धाम में स्थान प्राप्त होता है। जितना जरूरी नियम के अनुसार इस व्रत को रखना होता है, उतना ही जरूरी नियमानुसार इस व्रत का पारण भी होता है। माना जाता है कि निर्जला एकादशी का विधि पूर्वक पारण करने पर ही व्रत पूर्ण होता है। निर्जला एकादशी के व्रत का पारण 26 जून को किया जाएगा।

निर्जला एकादशी व्रत पारण का शुभ मुहूर्त

शास्त्रों में वर्णित है कि निर्जला एकादशी का व्रत हमेशा द्वादशी तिथि के दिन ही किया जाता है। ऐसे में द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल निर्जला एकादशी के व्रत के पारण का शुभ मुहूर्त सुबह 05 बजकर 25 मिनट पर शुरू होगा। ये शुभ मुहूर्त 08 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। भक्त इस समय निर्जला एकादशी के व्रत का पारण कर सकते हैं। 26 जून को द्वादशी तिथि रात को 10 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी।

निर्जला एकादशी व्रत के पारण की विधि

निर्जला एकादशी के व्रत का पारण करने के लिए सबसे पहले द्वादशी तिथि पर स्नान आदि करें। फिर साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा घर में भगवान श्री हरि विष्णु का जलाभिषेक करें। भगवान का पंचामृत समेत गंगाजल के अभिषेक करें। अब भगवान को पीला चंदन और पीले फूल अर्पित करें। भगवान के सामने घी का दीपक जलाएं। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें। भगवान श्री हरि विष्णु और लक्ष्मी जी की आरती करें प्रभु को तुलसी सहित भोग लगाएं। अंत में व्रत संकल्प पूर्ण करें व क्षमा प्रार्थना करें।

व्रत का पारण करते समय रखें इन बातों का ध्यान

निर्जला एकादशी के व्रत का पारण द्वादशी तिथि के समाप्त होने से पहले और सूर्योदय के बाद ही करें। इस व्रत के पारण में हरि वासर का भी ध्यान अवश्य रखें। निर्जला एकादशी के व्रत का पारण हरि वासर में न करें। इसके समाप्त होने का इंतजार करें।

29 जून को वट पूर्णिमा व्रत

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट पूर्णिमा व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत अखंड सौभाग्य, पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को यह पावन व्रत रखने का विधान है। मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत के राज्यों में इस व्रत को बेहद श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। साल 2026 में वट पूर्णिमा का व्रत 29 जून को रखा जाएगा। किसी भी पूजा की सफलता उसकी सही सामग्री और विधि से होती है। अगर आप भी इस साल यह व्रत रखने जा रही हैं, तो पूजा में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीजों की लिस्ट अभी से नोट कर लें।

वट पूर्णिमा व्रत 2026 तिथि?

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि 29 जून को सुबह 3 बजकर 6 मिनट पर शुरू होगी और 30 जून को सुबह 5 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर वट पूर्णिमा व्रत 29 जून सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन सुहागिन महिलाएं विधि-विधान से व्रत रखकर बरगद के पेड़ की पूजा करेंगी।

वट पूर्णिमा व्रत का धार्मिक महत्व

वट पूर्णिमा व्रत का संबंध माता सावित्री और सत्यवान की कथा से जुड़ा हुआ है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावित्री ने अपने तप, निष्ठा और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस मांगे थे। तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य, सुखी दांपत्य जीवन और पति की दीर्घायु के लिए रखा जाता है। बरगद के पेड़ को दीर्घायु का प्रतीक माना गया है।

वट पूर्णिमा की पूजा विधि

वट पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें। पूजा की सभी सामग्री एकत्र कर वट वृक्ष के पास जाएं। बरगद के पेड़ को जल अर्पित करें और रोली, अक्षत, फूल तथा अन्य पूजा सामग्री अर्पित करें। इसके बाद वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते हुए परिक्रमा करें। कई स्थानों पर सात या 108 बार परिक्रमा करने की परंपरा भी है। पूजा के दौरान सावित्री-सत्यवान की कथा सुनना और भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का स्मरण करना शुभ माना जाता है।

दरवाजा, छत से लेकर मंदिर तक घर में छिपकली दिखना शुभ या अशुभ?

छिपकली नाम सुनते ही कई लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं. उन्हें छिपकली से बहुत डर लगता है और वे देखना तक नहीं चाहते हैं, लेकिन घर की दीवार पर छिपकली दिख जाना आम बात है. यही नहीं, कई लोग इस छोटे से जीव को देखकर सोच में पड़ जाते हैं कि कहीं उनके जीवन में अशुभ तो नहीं होने वाला है. हालांकि हकीकत जानकर कुछ और ही है.

दरअसल, अगर छिपकली हर दिन आपके घर की छत, दीवार, मंदिर और मेन डोर पर दिखाई दे जाए तो समझ लीजिए आपके जीवन में शुभ ही शुभ होने वाला है, लेकिन हर जगह छिपकली दिखना शुभ नही होता है।पारंपरिक मान्यताओ मुताबिक, छिपकली को धन की देवी लक्ष्मी का प्रतीक या वाहक माना जाता है। किसी मंदिर या पूजास्थल मे छिपकली की उपस्थिति बिल्कुल भी डरावनी नहीं होती, बल्कि यह दुनिया मे सौभाग्य लाती है। मंदिर में छिपकली देखना इस बात का संकेत है कि परिवार में जल्द ही अच्छे दिन लौटेंगे और आपको लंबे समय से चली आ रही आर्थिक कठिनाई या कर्ज के बोझ से मुक्ति मिलेगी। घर के मुख्य द्वार या सामने के दरवाजे के सामने छिपकली देखना बहुत शुभ संकेत है। जिस प्रकार यह आने वाली बारिश की भविष्यवाणी करती है, उसी प्रकार यह घर मे अचानक धन के आगमन का भी एक विशिष्ट संकेत देती है।

छिपकलियों की लड़ाई अशुभ यदि आप दीवार पर दो छिपकलियों को आपस में लड़ते हुए देखते हैं, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। इससे घर के मुखिया के परिवार में गंभीर बीमारी या झगड़े हो सकते हैं। इसके अलावा घर के कोने मे या फर्श पर पड़ी हुई छिपकली अधिक दुर्भाग्य और नकारात्मकता का प्रतीक है। वहीं, फर्श पर मरी हुई छिपकली अशुभ संकेत देती है। इससे सावधान रहना जरूरी है।

सपने में छिपकली देखने का मतलब

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, सोते समय सपने मे छिपकली देखना बहुत ही अशुभ संकेत माना जाता है, जो जीवन मे अचानक किसी आपदा या बुरी घटना का संकेत देता है। वही, किसी छिपकली को तेजी से दीवार फांदकर भागते देखना अच्छा संकेत नही है क्योंकि इससे परिवार मे गंभीर आर्थिक संकट की सम्भावना बढ़ जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से कल बिजनेस पार्टनर के साथ मिलकर आप बिजनेस एक्सपेंशन की बड़ी रणनीतिक प्लानिंग कर सकते हैं। कैश फ्लो स्ट्रॉन्ग होने से आपके दैनिक खर्चे आराम से निकलेंगे और अच्छी सेविंग भी हो जाएगी, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बूस्ट होगा। कल आपकी दुकान या आउटलेट पर ग्राहकों की भारी भीड़ लगी रहेगी और बिक्री तेजी से होगी।

वृषभ राशि - चंद्रमा के छठे भाव में होने से कल आपको अपने गुप्त शत्रुओं की चालों को अपनी बुद्धिमानी से नाकाम करना होगा। कल का दिन नौकरी की तलाश कर रहे जॉब सीकर्स के लिए बेहद भाग्यशाली है; एक लंबे इंतजार के बाद किसी बड़ी लिस्टेड कंपनी से आपको इंटरव्यू के लिए कॉल आ सकती है।

मिथुन राशि - चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से कल आपको एक अच्छे और अनुशासित स्टूडेंट की तरह दिन गुजारना चाहिए। डिजिटल मार्केटर्स और कंटेंट क्रिएटर्स की कल कोई पोस्ट अचानक वायरल हो सकती है, जिससे आपके फॉलोअर्स तेजी से बढ़ेंगे और ब्रांड की विजिबिलिटी में जबरदस्त इजाफा होगा।

कर्क राशि - चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से कल पारिवारिक सुख-सुविधाओं और घरेलू सुख में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। कल अकेले बैठकर ओवर-थिंकिंग करने से बेहतर है कि बिजनेसमैन अपने फैमिली मेंबर्स या किसी बेहद विश्वासपात्र व्यक्ति से बात करे, जिससे आपको थोड़ा सपोर्ट मिल सके।

सिंह राशि - चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से कल आपको अपने से छोटों और जूनियर्स का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नौकरीपेशा लोगों की योग्यता को कल मैनेजमेंट द्वारा पहचाना जाएगा और आपकी पुरानी मेहनत रंग लाएगी; यह अवसर आपके करियर को एक नई दिशा दे सकता है, इंटरव्यू की तैयारी मजबूत रखें।

कन्या राशि - चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से कल आपको पैसों के लेन-देन और निवेश के मामलों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कल आपके मुख्य बिजनेस में अचानक कस्टमर्स की संख्या बहुत कम रह सकती है; दुकान या आउटलेट पर ग्राहकों की आवाजाही लगभग न के बराबर होने से बिक्री नाम मात्र की होगी।

तुला राशि-चंद्रमा कल आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपके आत्म-सम्मान, लीडरशिप क्वालिटी और आत्म-चिंतन में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। कल ऑफिस में आपकी जॉब सिक्योरिटी बहुत मजबूत होगी; यह स्टेबिलिटी आपके करियर को लॉन्ग-टर्म में स्थिर बनाएगी, जिससे मन से असुरक्षा की भावना दूर होगी।

वृश्चिक राशि -चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से कल विदेशी संपर्कों या अनजान लोगों के साथ ऑनलाइन डील्स करने से बड़ा व्यापारिक नुकसान हो सकता है। कल का दिन आपके लिए थोड़ा असंतुलन और निराशा से भरा रह सकता है; स्वयं को थोड़ा फंसा हुआ महसूस करेंगे क्योंकि आपके अधिकार सीमित रहेंगे, जो आत्मविश्वास को कमजोर करेगा।

धनु राशि-चंद्रमा के ग्यारहवें भाव में होने से कल आपको अपने पेशेवर और पारिवारिक कर्तव्यों को पहचान कर उन्हें पूरा करना चाहिए। कल बिजनेस में बिल्कुल नई आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने से आपके काम में आ रही पुरानी तकनीकी दिक्कतें काफी हद तक दूर हो जाएंगी और प्रोडक्शन की स्पीड बढ़ेगी।

मकर राशि - चंद्रमा के दसवें भाव में होने से कल आप कार्यस्थल पर पूरी तरह वर्कोहॉलिक (काम के प्रति समर्पित) नजर आएंगे। कल सेल्स और मार्केटिंग प्रोफेशनल्स का दिन पूरी तरह धमाकेदार रहने वाला है; क्लाइंट्स के साथ होने वाली हाई-लेवल मीटिंग्स बहुत सफल रहेंगी और बिजनेस डील्स एक के बाद एक क्लोज होती चली जाएंगी।

कुंभ राशि- चंद्रमा के नवम भाव में होने से कल आपका झुकाव अध्यात्म और धार्मिक कार्यों की तरफ अधिक रहेगा। कल आईटी सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए दिन बहुत शानदार रहेगा; कार्यस्थल पर किसी नई आधुनिक टेक्नोलॉजी या कोडिंग लैंग्वेज को समझना और सीखना आपके लिए बेहद स्मूथ और आसान रहेगा।

मीन राशि- चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से कल खुद के वाहन से यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें, गति पर नियंत्रण रखें। कल लाइफ पार्टनर की भावनाओं और उनके मूक इमोशंस को गहराई से समझने से आपका आपसी प्यार और ज्यादा बढ़ेगा; रिश्ते में पुरानी गर्मजोशी लौट आएगी और यह समर्पण आपके बॉन्ड को और सुंदर बनाएगा।

बारिश के मौसम में भूलकर भी न खाएं ये चीजें, इन दिक्कतों का रहता है खतरा

देश के कई राज्यों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं और संक्रमणों का खतरा भी बढ़ा सकता है। इस दौरान नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से पनप सकते हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग, पेट से जुड़ी समस्याएं और संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में खानपान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। कई बार लोग बिना सोचे-समझे कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेते हैं, जो मानसून के दौरान सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति पर इसका प्रभाव एक जैसा होगा, लेकिन इस मौसम में साफ-सफाई और सही खानपान का ध्यान रखना बेहद जरूरी माना जाता है। बाहर का खाना, लंबे समय तक खुले में रखी चीजें और स्वच्छता की अनदेखी कुछ लोगों में स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। इसलिए इस मौसम में थोड़ी अधिक सावधानी बरतना जरूरी होता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बारिश के मौसम में किन खाने की चीजों से परहेज करना चाहिए, किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और स्वस्थ रहने के लिए क्या सावधानियां अपनानी चाहिए।

बारिश के मौसम में किन खाने की चीजों से परहेज करना चाहिए?

मानसून के दौरान सड़क किनारे मिलने वाली खुली खाने की चीजें, पहले से कटे हुए फलों, बासी खाने और लंबे समय तक बाहर रखे भोजन से परहेज करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा कच्चे सलाद, अधपका मांसाहारी खाना और बिना अच्छी तरह धोए फल-सब्जियों का सेवन भी संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकता है। इस मौसम में तली-भुनी और अधिक मसालेदार चीजों का ज्यादा सेवन करने से भी पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में ताजा और घर का बना खाना खाएं। साथ ही खाने को सही तरीके से पकाना और साफ बर्तनों में रखना भी जरूरी माना जाता है। अगर किसी खाने की चीज की गुणवत्ता पर संदेह हो, तो उसका सेवन करने से बचना बेहतर होता है।

बच्चा पढ़ाई से भागता है? डांटना नहीं,

अक्सर माता-पिता की यह शिकायत होती है कि उनका बच्चा पढ़ाई के नाम पर रोने लगता है, चिड़चिड़ा हो जाता है या तरह-तरह के बहाने बनाने लगता है। कई बार पेरेंट्स गुस्से में आकर बच्चे पर हाथ भी उठा देते हैं, लेकिन मारना-डांटना इसका सही इलाज नहीं है। माता-पिता को सबसे पहले यह समझना होगा कि बच्चा पढ़ाई से डर क्यों रहा है। हो सकता है कि उसे कोई सब्जेक्ट बहुत मुश्किल लगता हो, स्कूल में कोई परेशानी हो या फिर उस पर पढ़ाई का दबाव बहुत ज्यादा हो। बिना वजह जाने बच्चे को डांटने से समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है।

ये 5 Smart Parenting Tips अपनाएं, दूर होगा डर

पढ़ाई को सजा न बनाएं:

कई बार घरों में कहा जाता है कि खेलना बंद करो और अब पढ़ाई करो। इससे बच्चे को लगता है कि पढ़ाई कोई सजा या बोझ है। इसलिए पढ़ाई को हमेशा मजेदार तरीके से उसके सामने पेश करें।

लगातार न पढ़ाएं, छोटे-छोटे ब्रेक दें:

बच्चे को घंटों एक साथ बैठने के लिए मजबूर न करें। उसे 15-20 मिनट ही पढ़ाएं और फिर थोड़ा सा ब्रेक दें। जब बच्चा अपना छोटा सा काम भी पूरा कर ले, तो उसकी तारीफ जरूर करें ताकि उसका हौसला बढ़े।

दूसरों से तुलना बिल्कुल न करें:

कभी भी अपने बच्चे की तुलना किसी दूसरे बच्चे से न करें। इससे उसके मन में हीनभावना आ जाती है। हर बच्चे के सीखने की रफ्तार अलग होती है, इसलिए उसकी खुद की तरक्की की तारीफ करें।

प्यार से बात संभालें:

अगर बच्चा पढ़ते समय रोने लगे, तो उसे गले लगाएं और शांत करें। उसकी परेशानी को ध्यान से सुनें ताकि उसे भरोसा हो सके कि आप उसके साथ हैं। जब बच्चा सुरक्षित महसूस करेगा, तो वह अपनी बात खुलकर कह पाएगा।

रोजाना सैर है जरूरी

कुछ मिनट की सैर भी आपके वजन और ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रखने में बहुत काम आ सकती है। रोजाना किसी न किसी तरीके से अपने शरीर को फिजिकली एक्टिव बनाएं। चाहे स्वीमिंग करें या फिर ब्रिस्क वॉक। कई रिसर्च बताती हैं कि 30 मिनट की सैर भी बॉडी पार्ट्स को हेल्दी रखने में अहम रोल निभाती है।

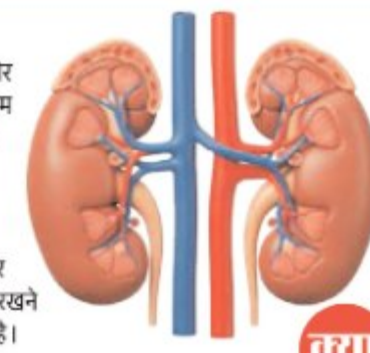

दिन में 180 लीटर खून फिल्टर करने वाली किडनी को स्वस्थ रखेंगी ये आदतें

क्या आप जानते हैं कि किडनी शरीर का वो जरूरी अंग है जिस पर पूरा फिल्टर सिस्टम डिपेंड होता है. बहुत कम लोग जानते हैं कि दिनभर में हमारी किडनी करीब 180 से 200 लीटर खून को फिल्टर करती है. इनका काम भले ही न नजर आए लेकिन अगर ये बीमार है तो शरीर कई बीमारियों या हेल्थ प्रॉब्लम्स का शिकार बन जाता है.

शुगर वाली चीजें

क्या आप जानते हैं कि किडनी फेलियर का एक बड़ा कारण डायबिटीज है। लंबे टाइम तक अगर ब्लड शुगर का लेवल हाई रहे तो ये एक जहर का काम करता है। इस वजह से किडनी की सेहत भी बिगड़ती है। इसलिए आप जो मीठा खा रहे हैं उसे थोड़ा कम करें। इसके अलावा इसके इंटेक पर खास ध्यान दें।

ब्लड प्रेशर पर फोकस

क्या आप जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर की वजह से भी किडनी की कार्यक्षमता पर एक्स्ट्रा प्रेशर आता है। अपने ब्लड प्रेशर को बीच-बीच में चेक करने की आदत डालें। अगर ये लगातार हाई रहता है तो स्ट्रेस को मैनेज करें और डॉक्टर से इसे कम करने की दवा या सलाह जरूर लें।

चेहरे पर बर्फ लगाने का कमाल

चेहरे पर मेकअप टिकाए रखना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। तेज धूप, पसीना और चिपचिपापन मिनटों में पूरे लुक को खराब कर देते हैं। ऐसे में हैवी मेकअप करने के बजाय नो मेकअप लुक अपनाना सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपने प्रोडक्ट्स को हल्का रखें और स्किन को सही तरीके से तैयार करें।

चेहरे को ऐसे करें तैयार

नो मेकअप लुक पाने के लिए आपको क्लींजर, मॉइस्चराइजर, सनस्क्रीन, कंसीलर, ब्लश, मस्कारा और लिप ग्लॉस जैसी बुनियादी चीजों की जरूरत होगी। सबसे पहले चेहरे को किसी माइल्ड फेस वॉश से अच्छी तरह साफ कर लें। इसके बाद एक बेहतरीन ट्रिक यह है कि मेकअप शुरू करने से पहले 2 से 3 मिनट तक चेहरे पर बर्फ लगाएं। इससे स्किन के पोर्स सिकुड़ जाते हैं और पसीना कम आता है।

बेस को रखें बिल्कुल हल्का

चेहरा साफ करने के बाद हल्का मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन जरूर लगाएं, ताकि धूप से बचाव हो सके। इसके बाद भारी भरकम फाउंडेशन लगाने की गलती बिल्कुल न करें। नो मेकअप लुक के लिए टिंटेड फाउंडेशन, बीबी या सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें। इससे चेहरे का बेस बहुत ही हल्का और नेचुरल बनता है।

घंटों तक टिका रहेगा आपका Makeup

वार्ड 12 एवं 13 में सड़क सीमेंटीकरण और नाली निर्माण कार्यों से नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधा

महापौर ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन, शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज महापौर अलका बाघमार ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, अजीत वैध,रंजीता पाटिल तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। महापौर ने वार्ड क्रमांक 13 गजानन नगर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, मोहन नगर में नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 13 के अन्य क्षेत्रों में सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 12 में प्रस्तावित सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से राहत प्राप्त होगी। अच्छी सड़कें और सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं। महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है, इसलिए अधिक बारिश होने से पूर्व सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कायक्रम के दौरान वार्ड पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति एवं शीघ्र प्रारंभ किए जाने पर महापौर का आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए नगर निगम प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के कार्य निरंतर किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा चरोदा मंडल ने किया योगाभ्यास, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान एवं जिला नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा चरोदा मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जून को वार्ड क्रमांक-23 स्थित हाउसिंग बोर्ड त्रिदेव मंदिर परिसर के समीप सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने किया। सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। नियमित योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। हमें अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेश मौर्य, पूर्णिमा ठाकुर, आशा शर्मा, संयोजक मनोज ओझा, सहसंयोजक, उपनेता प्रतिपक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय, राम रेड्डी, प्रमिला टांडी, टी. रमना, दिलीप साहू, तरुण परगनिया, वेद प्रकाश पांडेय, सुजाता डोंगरे, नारायण रेड्डी, रेखा साहू, कुसुम साहू, पूनम श्रीवास्तव, पांडेय, जी. गंजीर, रविंद्र बेहरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नियमित योग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों पर जिला प्रशासन की कड़ी नजर

धमधा तहसील में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सुरक्षित की गई सरकारी जमीन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा अवैध कब्जाधारियों और भू-माफियाओं के खिलाफ निरंतर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में प्रशासनिक मुस्तैदी का परिचय देते हुए धमधा तहसील के ग्राम बसनी में शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से पूरी तरह मुक्त कराकर सुरक्षित कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम बसनी में लंबे समय से कुछ रसूखदार ग्रामीणों द्वारा शासकीय जमीनों पर झटका तार लगाकर और अवैध रूप से धान की फसल (खरीफ व रबी) बोकर कब्जा किया गया था। इस गंभीर शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में तहसीलदार धमधा द्वारा हल्का पटवारी से अतिक्रमण प्रतिवेदन मंगाया गया, जिसके बाद दर्ज अतिक्रमण प्रकरण में गहन जांच व सुनवाई करते हुए अनावेदकों के खिलाफ विधिवत बेदखली आदेश पारित किया गया। इस आदेश के परिपालन में विगत 22 जून 2026 को राजस्व विभाग ने ग्राम पंचायत बसनी के सक्रिय सहयोग से संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। तहसीलदार मीना साहू ने बताया कि प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अनावेदक सेवाराम लोधी द्वारा शासकीय खसरा नंबर 1077 में से 20 डिसमिल और खसरा नंबर 1188 में से 0.34 हेक्टेयर पर किए गए कब्जे को हटाया, साथ ही राजकुमार लोधी के कब्जे से खसरा नंबर 1077 की 7 डिसमिल तथा राजकपूर लोधी के कब्जे से इसी खसरा नंबर की 13 डिसमिल भूमि को मुक्त कराया। इसके अलावा, एक अन्य अनावेदक शिवकुमार मौर्य द्वारा शासकीय खसरा नंबर 1077 की 8 डिसमिल भूमि (जिस पर आम के पेड़ लगे थे) और खसरा नंबर 1076 के 0.19 हेक्टेयर रकबे पर किए गए अवैध कब्जे व झटका तार को पूरी तरह साफ कर जमीन को शासन के पक्ष में सुरक्षित किया गया। इस पूरी शांतिपूर्ण बेदखली कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक धमधा, राजस्व निरीक्षक पेण्ड्रावन, हल्का पटवारी और ग्राम पंचायत सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।
प्रशासन की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है और शासकीय संपत्तियों को सुरक्षित करने के इस कदम की सराहना की जा रही है।

वार्डों में विकास कार्यों की सौगात, महापौर ने किया लाखो के जनहितकारी कार्यों का भूमिपूजन

नाली, पुलिया एवं सड़क निर्माण से नागरिकों को मिलेगी बेहतर मूलभूत सुविधाएं

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, पार्षद बबिता गुड्डू यादव, पार्षद गुलशन साहू, पार्षद पायल पाटिल,रंजीता पाटिल, अनूप पाटिल,उपअभियंता अपर्णा मिश्रा,मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान एवं बड़ी संख्या में उपस्थित वार्डवासियों के बीच विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड, वार्ड क्रमांक 24 आमदी मॉदर वार्ड तथा वार्ड क्रमांक 52 बोरसी क्षेत्र में नाली, पुलिया, सड़क सीमेंटीकरण एवं मुक्तिधाम जीर्णोद्धार सहित अनेक विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड में भागीरथ के घर से मदन यादव के घर तक विभिन्न स्थानों पर नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा सिद्धेश्वर शिव मॉदर से फरिस्ता कॉम्प्लेक्स, लाला जियो सेंटर होते हुए बबली कॉर्नर तक नाली निर्माण कार्य प्रारंभ करने की घोषणा की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 24 आमदी मॉदर वार्ड में भी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर नागरिकों को बेहतर जल निकासी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।बोरसी मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार सहित अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ-कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्रमांक 52 बोरसी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही डॉ. गोमास्ता के घर से एस.डी. विश्वकर्मा के घर तक सड़क सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण कार्य तथा महावीर खेल मैदान से बिजली ऑफिस होते हुए द्वारिकापुरी की ओर नाली निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्र में लंबे समय से अपेक्षित इन विकास कार्यों के लिए महापौर एवं निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शहर के समग्र विकास के लिए निगम प्रतिबद्ध : महापौर

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जल निकासी, सड़क, पुलिया एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है, जिससे लोगों को आवागमन एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में जनआवश्यकता के अनुरूप विकास कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं तथा शहर के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं निगम अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निगम प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वस्थ जीवन का मंत्र बना योगः मंगल भवन में किया सामूहिक योगाभ्यास

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर निगम भिलाई-चरोदा द्वारा मंगल भवन परिसर में स्वस्थ आयु के लिए योग विषय पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, निगम कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को दूर कर जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन भी प्रदान करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में योग स्वस्थ और निरोग रहने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को रोगों से दूर रखने के साथ-साथ आत्मिक शांति और मानसिक मजबूती भी प्रदान करता है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, दिलीप पटेल, परिषद में नेता प्रतिपक्ष खिलावन वर्मा, वरिष्ठ पार्षद फिरोज फारुकी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ सिख समाज ने सुपेला गुरुद्वारा में पारसीवनी में बनने जा रहे गुरु तेग बहादुर, गुरु विरासत धाम के लिए दिखाई एकजुटता

भिलाई। गुरू तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी शताब्दी वर्ष के अवसर पर शहीद बाबा दीपसिंग गुरूद्वारा भिलाई सुपेला छत्तीसगढ़ में विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य महाराष्ट्र के नागपुर जिला के पारसीवनी (रामटेक) क्षेत्र में प्रस्तावित श्री गुरू तेग बहादुर गुरू विरासत धाम परियोजना (विश्व रिकॉर्ड) तथा विश्व के सबसे ऊँचे प्रस्तावित 350 फिट निशान साहिब के सम्बन्ध में जागरूकता फैलाना था। बैठक में छत्तीसगढ़ के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रधान प्रबंधक, कमेटी सदस्य, सेवादार तथा सिख समाज के लोग उपस्थित थे। यह बैठक का नेतृत्व गुरमीत सिंह खोकर (नागपुर), यूथ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया गया। बैठक में बाबुल डे (संयुक्त सचिव), मनीष पाटिल (संकल्पना) व छत्तीसगढ़ से सर्व राहुल सिंग परिहार (छः गः प्रदेश अध्यक्ष), नालंद रामटेके (सचिव), रविकांत वर्मा (कार्यकारिणी सदस्य), रामकुमार (कार्य. सदस्य), अजय मेश्राम (कार्य. सदस्य), रामकुमार गुजर (कार्य. सदस्य), कमल गुप्ता (कार्य. सदस्य) आदि उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित गुरूद्वारा प्रबंधकों एवं सिख समाज के प्रतिनिधियों ने परियोजना को गुरू साहिब कि महान विरासत से जुड़ा ऐतिहासिक प्रयास बताते हुए इसका स्वागत किया। छत्तीसगढ़ को विभिन्न गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों ने इस ऐतिहासिक पहल को समाज की आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया, जो कि इतिहास के रूप में जाना/पहचाना जाएगा। विशेष रूप से यह संदेश सामने आया कि जब छत्तीसगढ़ के सिख समाज महाराष्ट्र में बनने वाले इस ऐतिहासिक प्रकल्प के लिए एकजुट होकर समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। तब महाराष्ट्र सहित देश/विदेश के सिख समाज को भी इस महान मिशन में बढ़चढ़ कर सहभागिता निभानी चाहिए।बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ भिलाई (सुपेला) के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रधान, सेवादार व सदस्य कुलदीप सिंह, हरपाल सिंह, बलविंदर सिंह, कुलवंत सिंह, तेजेंदर सिंह, गुरमीत सिंह, पलवंदर सिंह, भूपेंदर सिंह, गुरमेल सिंह, प्रजोत सिंह, आदि उपस्थित थे।

चावल पापड़ उद्योग से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती हुई ग्रामीण महिलाएं

दुर्ग। जिले के ग्राम पंचायत ननकट्ठी की विद्यावती चौधरी ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन को नई दिशा दी, बल्कि गांव की अनेक महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया। आराध्या स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं एफएलसीआरपी के रूप में कार्यरत विद्यावती चौधरी ने समूह की बचत एवं ऋण राशि का उपयोग करते हुए चावल पापड़ निर्माण और सिलाई केंद्र की शुरुआत की। प्रारंभ में यह कार्य छोटे स्तर पर शुरू हुआ, जहां समूह की महिलाएं घर-आंगन में मिलकर पापड़ तैयार करती थीं। सीमित संसाधनों के बावजूद महिलाओं ने मेहनत, लगन और गुणवत्ता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया। प्रतिदिन महिलाएं एकत्रित होकर चावल पापड़ तैयार करती हैं। सामूहिक श्रम और बेहतर गुणवत्ता के कारण उनके उत्पादों की मांग लगातार बढ़ती गई। धीरे-धीरे उनका छोटा प्रयास एक सफल उद्यम में बदल गया। आज समूह द्वारा तैयार किए गए पापड़ स्थानीय बाजारों में अपनी पहचान बना चुके हैं और प्रतिमाह हजारों रुपये का कारोबार हो रहा है। इस उद्यम ने समूह की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। नियमित आय मिलने से परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों की पूर्ति अब अधिक आसानी से हो रही है।
सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हुई हैं। विद्यावती चौधरी की सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिले तो वे सामूहिक प्रयासों से बड़े बदलाव ला सकती हैं। आज ननकट्ठी की महिलाएं अपने उत्पादों के साथ गर्व से खड़ी हैं और गांव में महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बन चुकी हैं। ग्राम ननकट्ठी की स्व सहायता समूह, सामूहिक मेहनत और बिहान के सहयोग से ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनकर लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर रही हैं।

आयुक्त ने परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न मांगों पर की चर्चा

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के चेम्बर में स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं महामंत्री अनिल सिंह एवं संघ के पदाधिकारी की मौजूदगी में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर ईश्वर वर्मा,शशिकान्त यादव,शानू कोठारी, रेखा कुर्रे, हेमलता वर्मा,किरण अग्रवाल सहित यूनियन के पदाधिकारी गण मौजूद रहें। बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में कर्मचारी संघ पदाधिकारियों ने बताया कि लगातार कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने से निगम में कर्मचारियों की कमी उत्पन्न हो रही है, जिससे कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ रहा है। इस समस्या के समाधान हेतु शासन को अवगत कराते हुए नियमित भर्ती के लिए प्रस्ताव प्रेषित करने की मांग की गई। साथ ही कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने के आधार पर वेतन एवं वार्षिक वेतन वृद्धि रोके जाने की कार्रवाई को अनुचित बताते हुए ऐसे आदेशों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया। बैठक में निगम परिसर में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, शासकीय अवकाश के दिनों में कार्य लेने की स्थिति में कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन अथवा प्रतिपूरक अवकाश प्रदान करने तथा तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। एनपीएस के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के परिवारों को मृत्यु की स्थिति में उपादान एवं परिवार पेंशन का लाभ समय पर उपलब्ध कराने, एनपीएस/ जीपीएस की राशि नियमित रूप से जमा कराने तथा कर्मचारियों के एनपीएस खातों के संधारण एवं जमा राशि की जानकारी शासन स्तर से प्राप्त करने संबंधी मांगें भी प्रमुखता से रखी गईं। आयुक्त ने सभी बिंदुओं पर आवश्यक परीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

बम्हनीडीह में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का हुआ आयोजन

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण स्वागत

जांजगीर-चांपा। बम्हनीडीह विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कायक्रम में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बम्हनीडीह, शा नवीन प्राथमिक शाला भागोडीह, शा प्राथमिक शाला बम्हनीडीह शा पूर्व माध्यमिक शाला बम्हनीडीह, शा पूर्व माध्यमिक शाला खपरीडीह के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश वितरित कर एवं सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत निशुल्क सायकल वितरण किया गया आत्मीय स्वागत किया गया। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गगन जयपुरिया,उपाध्यक्ष जिला पंचायत जांजगीर चांपा, विशिष्ट अतिथि के रूप में आशा साव सभापति जिला पंचायत जांजगीर चांपा, तुषार जायसवाल जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि, पार्षद अंजली नवीन सराफ पार्षद नेक मोहम्मद खान, पार्षद भूपेंद्र डड़सेना, पार्षद मोहन डडसेना, पार्षद आदित्य वस्त्रकार, पार्षद प्रतिनिधि राहुल सिंघानिया, पार्षद संतोष पटेल,पार्षद रमेश पटेल, पार्षद उमेश पटेल, पार्षद गणेश अजगल्ले,पार्षद राजेंद्र जायसवाल, विशाल सराफ, ओमप्रकाश साहू, मीडिया से नवीन सराफ, आकाश वैष्णव महेंद्र डडसेना, साहिल राज लहरे मंचस्थ थे। अतिथियों का स्वागत बीईओ रत्ना थवाईत, बीआरसी हिरेंद्र बेहार, सेजस प्राचार्य बजरंग श्रीवास, परमेश्वर राठौर, मोहन यादव, शिव पटेल, डीपी राठौर, गोविंद सूर्यवंशी, सोनू देवांगन, भेनुका जोशी, मोनल दिग्घसकर, घनश्याम राम, नेहरू पटेल ने किया। राष्ट्र निर्माता के रूप में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आप केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि एक पीढ़ी का निर्माण करते हैं। आप सभी नियमित स्कूल जावे तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देवे। जिला पंचायत के सभापति सु आशा साव ने अपने संबोधन में कहा शाला प्रवेशोत्सवः नए संकल्प और नई उमंग का उत्सव - उन्होंने सभी शिक्षक गण और विद्यार्थियों से कहा शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन को गढ़ने का आधार है। नया शैक्षणिक सत्र हमारे लिए नए अवसर, नई चुनौतियाँ और नए सपने लेकर आया है। 'शाला प्रवेशोत्सव' केवल बच्चों के स्कूल आने का दिन नहीं है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का महापर्व है।

जिले में 'भीम का मैंगो' आइस कैंडी के विक्रय पर प्रतिबंध

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 'भीम का मैंगो (पैक्ड) ग्रीन कलर (मैंगो आईस कैंडी)' के विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देश पर की गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त उत्पाद का नमूना मानकता जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया था। खाद्य विश्लेषक द्वारा जारी जांच प्रतिवेदन में संबंधित उत्पाद को असुरक्षित घोषित किया गया है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा विनियम 2011 के तहत उक्त खाद्य पदार्थ/पेय पदार्थ के उक्त बैच नम्बर के विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले के सभी कैंडी विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे उक्त उत्पाद का विक्रय न करें। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री करते पाए जाने पर संबंधित विक्रेता अथवा फर्म के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित उत्पाद का उपयोग न करें तथा इसकी बिक्री की जानकारी मिलने पर प्रशासन को सूचित करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com